वर्ष : 34 | अंक : 329 | मुंबई, गुरुवार, 5 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

क्यों उठी महाभियोग की मांग?

यह पूरा विवाद पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में सुधार के विशेष अभियान से जुड़ा है। ममता बनर्जी इसका लगातार विरोध कर रही हैं। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के नाम गलत तरीके से वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने इसी मुद्दे पर CEC ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की थी। ममता बनर्जी का आरोप है कि बैठक के दौरान CEC का रवैया ठीक नहीं था। उन्होंने CEC को अभिमानी बताते हुए बैठक से वॉकआउट कर दिया था। इसके बाद उन्होंने CEC के खिलाफ महाभियोग लाने की मांग की और दूसरे विपक्षी दलों से भी समर्थन मांगा।

क्या है महाभियोग की प्रक्रिया?

मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के जज की तरह ही होती है। इसके लिए 'साबित दुर्व्यवहार' या 'अक्षमता' को आधार बनाना होता है। यह प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है। इसे पास कराने के लिए सदन के कुल सदस्यों के बहुमत और मौजूद व वोट देने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है।

वकील के अवतार में दिखीं ममता

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार किसी सीएम ने की बहस

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को ममता बनर्जी एक अलग ही रूप में नजर आईं। वह वकीलों के साथ बैठकर बंगाल एसआईआर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में बतौर वकील दलील देते हुए नजर आईं। इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि हमें एसआईआर के मुद्दे पर न्याय नहीं मिल रहा है। कोई भी हमारे सवालों के जवाब देने को तैयार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार किसी मुख्य मंत्री ने बहस की है। ममता बनर्जी पहली सिटिंग मुख्य मंत्री हैं। हालांकि, इससे पहले कुछ मुख्य मंत्री सुप्रीम कोर्ट में पेश हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने बहस नहीं की थी। उन्होंने कहा कि SIR की यह प्रक्रिया मतदाताओं के नाम शामिल करने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें काटने के लिए की जा रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 24 साल बाद अचानक दो महीने के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा करने की क्या जल्दी थी, जबकि इसमें कम से कम दो साल का समय लगना चाहिए। उन्होंने आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' करार देते हुए आरोप लगाया कि अनौपचारिक निर्देशों के जरिए अधिकारियों को नाम हटाने के आदेश दिए जा रहे हैं।

पेज 8 भी देखें

चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट में सुधार को लेकर शुरू हुआ विवाद अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग तक पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग की थी। अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत अन्य विपक्षी दल भी उनके समर्थन में आते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा है कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष मिलकर फैसला लेगा। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को कहा कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर सामूहिक रूप से फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की ओर से उठाया गया यह एक बहुत ही प्रासंगिक मुद्दा है। हम इस पर सकारात्मक रूप से विचार कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इस बारे में कांग्रेस से संपर्क किया है।

ममता को मिला कांग्रेस-सपा का साथ, विपक्ष लेगा मिलकर फैसला

अखिलेश ने किया समर्थन

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बीजेपी के काले कारनामों के खिलाफ लड़ रही हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों को आगे आना चाहिए। अपना वोट खोना अपना अधिकार खोना है। धीरे-धीरे सब कुछ खत्म हो जाएगा। आपकी नागरिकता पर सवाल उठाया जाएगा। हम ममता बनर्जी के साथ हैं।' हालांकि, जब इस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता।'

शिवसेना ने भी उठाए सवाल

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि चुनाव आयोग को पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी बड़े पैमाने पर वोटरों के नाम हटाकर उनके अधिकारों का हनन कर रही है। ममता जी यह लड़ाई लड़ रही हैं क्योंकि पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में उन लोगों के वोट हटाए गए हैं जो पारंपरिक रूप से उनकी पार्टी को वोट देते हैं। प्रियंका ने कहा कि ममता इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले गई हैं, जिसका हम स्वागत करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले का संज्ञान लेगा ताकि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बनी रहे।

अजित पवार की स्मृति में राष्ट्रव्यापी 'अस्थि कलश यात्रा'

7 फरवरी 2026 तक चलेगी यात्रा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित गुट) की युवा इकाई ने अपने दिवंगत नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की स्मृति में एक भव्य 'अस्थि कलश यात्रा' का आयोजन किया है। यह यात्रा 4 फरवरी से शुरू होकर 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य देशभर में फैले उनके समर्थकों और आम जनता को अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई और श्रद्धांजलि देने का एक साझा मंच प्रदान करना है।

प्रमुख पवित्र नदियों में होगा अस्थि विसर्जन

अजित पवार की अस्थियों को देश की सबसे पवित्र और ऐतिहासिक नदियों में विसर्जित करने की योजना बनाई गई है। इस यात्रा के तहत उत्तराखंड में हर की पौड़ी (हरिद्वार), उत्तर प्रदेश में संगम (प्रयागराज) और मणिकर्णिका घाट (वाराणसी) जैसे पावन स्थलों पर अस्थि विसर्जन किया जाएगा। इसके अलावा बिहार के गया (पटन) में भी अस्थियों का विसर्जन कर उनके मोक्ष की कामना की जाएगी।

देश के 10 से अधिक राज्यों से गुजरेगा काफिला

पार्टी के युवा विंग के अनुसार, यह यात्रा देश के विभिन्न हिस्सों से होते हुए 10 से अधिक राज्यों का सफर तय करेगी। यात्रा के दौरान अजित पवार के राजनीतिक योगदान, उनके विकास कार्यों और विशेष रूप से किसानों के प्रति उनकी नीतियों को जनता के बीच साझा किया जाएगा। दिल्ली से शुरू होकर यह यात्रा उत्तर, पूर्व और मध्य भारत के कई प्रमुख शहरों को जोड़ेगी, जहाँ उनके सम्मान में शोक सभाएं आयोजित की जाएंगी।

महाराष्ट्र के 33 जिलों में दी जा चुकी है श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र में यह प्रक्रिया पहले ही व्यापक स्तर पर पूरी की जा चुकी है। राज्य के सभी 33 जिलों में अस्थि कलश ले जाए गए थे, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। नागपुर के आंभोरा संगम और भंडारा जिले की वैनगंगा नदी में हजारों लोगों की उपस्थिति के बीच अस्थियों का विसर्जन किया गया। राज्य स्तर पर हुए इन कार्यक्रमों ने उनके प्रति जनता के गहरे जुड़ाव को स्पष्ट रूप से दर्शाया।

अजित पवार के पास रहे पदों पर उनके परिजनों को मिलेगा मौका

सुनेत्रा, पार्थ और जय पवार के नाम चर्चा में

अजित पवार कई प्रभावशाली संस्थाओं से जुड़े थे। वे मालेगांव सहकारी चीनी कारखाने के चेयरमैन, विद्या प्रतिष्ठान के प्रमुख विश्वस्त, महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के सदस्य, रयत शिक्षण संस्था के निदेशक और पुणे जिला शिक्षा मंडल के अध्यक्ष जैसे अहम पदों पर कार्यरत थे। अब इन सभी जिम्मेदारियों को लेकर यह चर्चा तेज है कि पवार परिवार के किस सदस्य को कौन-सा दायित्व सौंपा जाएगा। सूत्रों का कहना है कि कुछ प्रमुख संस्थाओं की जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार को दी जा सकती है। वहीं पार्थ पवार और जय पवार को किन संस्थानों की कमान मिलेगी, इस पर अंदरखाने विचार-विमर्श चल रहा है।

कोस्टल रोड पर बनेगा अत्याधुनिक हेलीपैड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कोस्टल रोड परियोजना में अब हवाई परिवहन का तड़का लगने जा रहा है। बीएमसी ने नरीमन पॉइंट से दहिसर तक बन रही इस सड़क के किनारे एक अत्याधुनिक हेलीपैड बनाने का निर्णय लिया है। इसके निर्माण और संचालन के लिए हाल ही में टेंडर जारी किए गए हैं, जिसमें देश की दो बड़ी कंपनियों, रेमंड्स और जिंदल, ने अपनी रुचि दिखाई है। नगर निगम का मुख्य उद्देश्य कोस्टल रोड को केवल एक सड़क तक सीमित न रखकर इसे 'मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट' हब में तब्दील करना है। कोस्टल रोड का पहला चरण (मरीन ड्राइव से वर्ली) पहले ही यातायात के लिए खोला जा चुका है। अब एयर ट्रांसपोर्ट को इससे जोड़कर कनेक्टिविटी को और मजबूत किया जा रहा है। इस हेलीपैड के बन जाने से दक्षिण मुंबई से हवाई संपर्क सीधा और सुगम हो जाएगा, जिससे शहर के भीतर यात्रा के विकल्प बढ़ जाएंगे।

एयर एम्बुलेंस सेवाओं के लिए संजीवनी

इस हेलीपैड का सबसे बड़ा लाभ स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा। मुंबई के प्रमुख अस्पतालों में आने वाले गंभीर मरीजों के लिए अक्सर एयर एम्बुलेंस का उपयोग किया जाता है, जिन्हें फिलहाल एयरपोर्ट पर उतरना पड़ता है। वहां से अस्पताल तक का सफर ट्रैफिक के कारण लंबा हो जाता है। दक्षिण मुंबई में हेलीपैड बनने से आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को बिना समय गंवाए सीधे अस्पतालों तक पहुँचाया जा सकेगा।

सुरक्षा-आपदा प्रबंधन में सहायक

प्रस्तावित हेलीपैड का उपयोग केवल वीआईपी या चिकित्सा सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह केंद्र कोस्टल पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। तटीय सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के दौरान त्वरित कार्रवाई करने के लिए यह एक अहम बेस के रूप में कार्य करेगा, जिससे समुद्री सीमाओं की निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में राहत कार्य तेज हो सकेंगे।

ब्रीफ न्यूज़

बॉम्बे आईआईटी के हॉस्टल से कूद कर छात्र ने की आत्महत्या

मुंबई। पवई इलाके में बॉम्बे आईआईटी के हॉस्टल से कूदकर सिविल इंजीनियरिंग के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। इस घटना की छानबीन पवई पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि कि बॉम्बे आईआईटी के हॉस्टल की छत से छात्र के छलांग लगा लेने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र नमन अग्रवाल (21) को तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। छानबीन में पता चला है कि छात्र सिविल इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष का छात्र था और राजस्थान के पिलानी का रहने वाला था। पवई पुलिस ने इस मामले को एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट के तौर पर दर्ज किया है। हॉस्टल में छात्र के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

रिकॉर्ड जीत के साथ फाइनल में भारत

हरारे। आरोन जॉर्ज ने अंडर-19 वनडे विश्व कप में पहला शतक जड़ा। उनके करियर की दूसरी शतकीय पारी से भारत ने बुधवार को अफगानिस्तान को 53 गेंद रहते सात विकेट से धोकर लगातार छठी और कुल दसवीं बार फाइनल का टिकट कटा लिया। भारतीय टीम ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। खिताब के लिए शुक्रवार को भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से होगा। दोनों ही टीमें अब तक अजेय हैं। अफगानिस्तान ने फैसल शिनोजादा और उजेरुल्लाह नियाजई की शतकीय पारियों से चार विकेट पर 310 रन बनाए। शिनोजादा ने 110 और नियाजई ने नाबाद 101 रन की पारी खेली। जवाब में भारतीय टीम ने लक्ष्य 41.1 में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कायाकल्प

एजेंसी | नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तेज़ी से किए जा रहे हैं। अब तक राज्य में पांच उपनगरीय स्टेशनों सहित कुल 17 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, जिनमें आमगांव, चंदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगांव, लासलगांव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहद, वडाला रोड, बारामती और नंदुरा शामिल हैं। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शिवसेना (शिंदे) सांसदों के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र में 5 उपनगरीय सहित 17 स्टेशनों का कार्य हुआ पूरा

सीएसएमटी समेत बड़े स्टेशनों का पुनर्विकास

रेल मंत्री ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) के पुनर्विकास को स्वीकृति मिल चुकी है, जहां लंबी दूरी के नोड भवन, कॉनकोर्स और पैदल पार पुल संख्या एक व दो के लिए नींव का काम शुरू हो गया है। इसके अलावा दिवा स्टेशन भवन में सुधार, नया प्रवेश द्वार, कल्याण और मुंबई छोर पर फुटओवर ब्रिज में सुधार जैसे कार्य जारी हैं। साथ ही मुंब्रा, टिटवाला, विक्रोली, चर्नी रोड, मालाड, कल्याण, दादर, ठाणे और पुणे स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य भी प्रगति पर है।

प्रतीक्षा क्षेत्र के लिए सात स्टेशन चिन्हित

कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड और शिवसेना (उद्धव) सांसद संजय दीना पाटील के प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री ने बताया कि देशभर में होल्डिंग/प्रतीक्षा क्षेत्र के निर्माण के लिए 76 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें महाराष्ट्र के सात स्टेशन शामिल हैं। इनमें मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, दादर, नगर, पुणे स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस शामिल हैं।

कामरा और अंधारे की बढ़ी मुश्किलें

महाराष्ट्र विधान परिषद् की समिति ने शिंदे पर टिप्पणी मामले में किया तलब

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कॉमेडियन कुणाल कामरा और शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी और पैरोडी गीत के मामले में दोनों को तलब किया है। समिति के अध्यक्ष और भाजपा विधायक प्रसाद लाड ने स्पष्ट किया कि दोनों को गुरुवार दोपहर 2:00 बजे समिति के सामने उपस्थित होना होगा। यह नोटिस उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणियों और एक पैरोडी गीत के जरिए उनके अपमान के मामले में जारी किया गया है। यह पूरी कार्रवाई भाजपा के विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर द्वारा दिए गए विशेषाधिकार हनन के नोटिस के बाद शुरू हुई है। दरेकर ने आरोप लगाया था कि कामरा और अंधारे ने संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का उपयोग कर सदन और पद की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। चूंकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सत्ताधारी महायुति गठबंधन का अहम हिस्सा है, इसलिए भाजपा इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाए हुए है।

विवाद की जड़: 'गद्दार' पैरोडी सांग

विवाद की शुरुआत मार्च 2025 में हुई थी, जब कुणाल कामरा ने मुंबई में एक स्टैंड-अप शो के दौरान फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी पेश की थी। इस गाने में उन्होंने बिना नाम लिए, लेकिन स्पष्ट इशारों में एकनाथ शिंदे को निशाना बनाते हुए उन्हें 'गद्दार' और 'दलबदलू' कहा था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिवसेना समर्थकों में भारी आक्रोश फैल गया था, जिसके बाद राजनीतिक घमासान शुरू हुआ। कामरा के इस पैरोडी एक्ट के बाद शिवसेना की युवा सेना ने उस स्टूडियो में तोड़फोड़ की थी जहाँ यह वीडियो शूट किया गया था।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर महाजाम

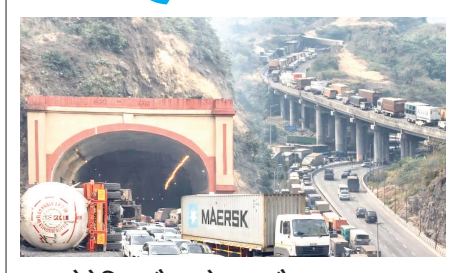

- प्रोपेलिन गैस से भरा टैंकर पलटा, गैस टैंकर से रिसाव
- 24 घंटे से ज्यादा बीत जाने पर भी स्थिति में नहीं कोई सुधार
- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्तृत जांच और सुरक्षा रिपोर्ट मांगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मंगलवार शाम हुए गैस टैंकर हादसे ने हजारों यात्रियों की सांसें अटका दीं। दरअसल शाम करीब 5:00 बजे मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक विशालकाय टैंकर असंतुलित होकर पलट गया। टैंकर के पलटते ही हवा में सफेद धुएं का गुबार छा गया, जो दरअसल प्रोपेलिन नामक अत्यंत ज्वलनशील गैस का रिसाव था। यह गैस इतनी खतरनाक है कि एक छोटी सी चिंगारी भी पूरे इलाके को श्मशान में तब्दील कर सकती थी। पलक झपकते ही एक्सप्रेसवे की रफ्तार थम गई और चारों ओर दहशत का माहौल बन गया।

खतरनाक होता है प्रोपेलिन गैस

विशेषज्ञों के अनुसार, टैंकर में भरी प्रोपेलिन गैस कोई साधारण रसायन नहीं है। इसकी अत्यधिक ज्वलनशीलता के कारण प्रशासन ने तुरंत पूरे इलाके को सील कर दिया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि रिसाव को रोकने में की गई कोई भी जल्दबाजी बड़ी तबाही का कारण बन सकती है। इसी खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने तुरंत NDRF और BPCL की विशेषज्ञ टीमों को मौके पर रवाना किया ताकि किसी भी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके। हादसे की खबर मिलते ही 40 जांबाज बचावकर्मियों की एक टीम ने मोर्चा संभाला। बुधवार तड़के 4:30 बजे से 'ऑपरेशन सावधानी' शुरू किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने अपनी जान जोखिम में डालकर टैंकर के करीब जाने का साहस दिखाया। अब तक टैंकर के दो वाल्वों को सफलतापूर्वक बंद कर दिया गया है, जिससे रिसाव में कुछ कमी आई है।

विलंब | हाईकोर्ट से मांगी लंबित केसों की रिपोर्ट

जमानत मामलों में देरी होने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्राथमिकता देने का आदेश

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में जमानत याचिकाओं की सुनवाई में हो रहे विलंब को लेकर अत्यंत गंभीर रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि किसी भी व्यक्ति की आजादी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता। अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जमानत जैसे संवेदनशील मामलों, जो सीधे तौर पर नागरिक अधिकारों से जुड़े हैं, उन्हें सुनवाई में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने पाया कि कई हाईकोर्ट में जमानत याचिकाएं समय पर सूचीबद्ध (List) नहीं हो रही हैं, जिसके कारण लोग लंबे समय तक जेलों में रहने को मजबूर हैं।

सभी हाईकोर्ट से मांगा लंबित मामलों का डेटा

अदालत ने देश के सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल को कड़े निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 1 जनवरी 2026 के बाद दायर की गई सभी नियमित और अग्रिम जमानत याचिकाओं का पूरा विवरण मांगा है। इसमें याचिका दायर करने की तारीख, सुनवाई की अगली तारीख और वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी शामिल करने को कहा गया है, ताकि पेंडेंसी की वास्तविक तस्वीर सामने आ सके। शीर्ष अदालत ने केवल हालिया मामलों ही नहीं, बल्कि जनवरी 2025 से पहले दाखिल की गई उन सभी याचिकाओं का डेटा भी तलब किया है जो अब तक लंबित हैं।

न्यूज ब्रीफ

कळंबोली में अतिक्रमण और अवैध बैनरों पर कार्रवाई

पनवेल। पनवेल महानगरपालिका की प्रभाग समिति 'बी' के अंतर्गत कळंबोली क्षेत्र में पिछले दो दिनों से फुटपाथ पर लगाए गए नए स्टॉल और टपरियों के खिलाफ तोड़ कार्रवाई की गई, जबकि 4 फरवरी को विभिन्न इलाकों में अवैध बैनरों को हटाया गया। आयुक्त मंगेश चितले के निर्देश पर प्रभाग अधिकारी व सहायक आयुक्त सुबोध ठाणेकर तथा प्रभारी अधीक्षक राजेश डोंगरे के नेतृत्व में अतिक्रमण विभाग ने सेक्टर 1 ई, केएलई कॉलेज परिसर और सेक्टर 3 ई में फुटपाथ से अतिक्रमण हटाते हुए चार नई टपरियां तोड़ीं, वहीं खांदाकॉलनी, नया पनवेल (पूर्व), कळंबोली और रोडपाली क्षेत्र से करीब 45 अवैध बैनरों पर भी सख्त कार्रवाई की गई।

आपला दवाखाना में होगी कैंसर की जांच

मुंबई। बीएमसी ने सभी वार्डो के हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे पॉलीक्लिनिक (आपला दवाखाना) व मनपा प्रसूति गृहों में गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की जांच के लिए विशेष शिविर आयोजित करने का फैसला किया है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक चलेगा। बीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी महिला-पुरुषों के लिए मुख कैंसर की जांच मनपा अस्पतालों, 'आपला दवाखाना' और पॉलीक्लिनिक में शुरू की गई है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के समय पर निदान और प्रभावी उपचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीएमसी ने एक व्यापक जनजागरूकता और जांच अभियान शुरू किया है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों और केंद्र सरकार के राष्ट्रीय असंसर्गजन्य रोग निवारण कार्यक्रम के तहत यह पहल की गई है। बुधवार 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने नागरिकों से अपील की कि वे कैंसर के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। समय रहते जांच कराकर तुरंत उपचार लें। इस जागरूकता अभियान में टाटा मेमोरियल अस्पताल, निजी संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग मिल रहा है। अब तक मुख कैंसर के लिए 2.95 लाख से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी है, जिसमें 24 रोगियों में कैंसर की पुष्टि हुई है। वहीं, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए 54 हजार से अधिक महिलाओं की जांच में 32 मामलों का निदान हुआ है।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिवंगत नेता अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

ठाणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अस्थि कलश सोमवार को ठाणे स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यालय में लाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान अजित पवार के करीबी राकांपा नेता आनंद परांजपे भावुक होकर रो पड़े। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राकांपा, राकांपा (शप) और भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 28 जनवरी को पुणे जिले में एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में अजित पवार सहित चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

नालासोपारा में पुलिस का 'मेगा ऑपरेशन'

109 नाइजीरियाई नागरिक हिरासत में, 2 किलो कोकीन बरामद

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मीरा-भाईंदर वसई-विरार (MBVV) पुलिस ने नालासोपारा इलाके में ड्रग्स और अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया है। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों और नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाना था। पुलिस की इस सघन तलाशी के दौरान 109 नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

करोड़ों की कोकीन बरामद और ड्रग सिंडिकेट का खुलासा

पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी के नेतृत्व में सुबह 6 बजे शुरू हुई इस छापेमारी में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने एक संदिग्ध के पास से लगभग 2 किलोग्राम शुद्ध कोकीन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी गई है। जांच में संकेत मिले हैं कि हिरासत में लिए गए कई नागरिक एक संगठित ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हो सकते हैं।

दस्तावेज न होने पर होगी डिपोर्टेशन की कार्रवाई

हिरासत में लिए गए सभी 109 विदेशी नागरिकों को अपने पासपोर्ट और वीजा जैसे वैध दस्तावेज पेश करने का समय दिया गया है। पुलिस ने साफ किया है कि शुरुआती जांच में अब तक कोई भी व्यक्ति कानूनी दस्तावेज नहीं दिखा पाया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि वैध कागज न होने की स्थिति में संबंधित नागरिकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें उनके मूल देश वापस भेजने (Deportation) की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अवैध व्यवसाय और नगर निगम की संलिप्तता

जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि ये विदेशी नागरिक न केवल नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त थे, बल्कि उन्होंने इलाके में कई गैर-कानूनी व्यावसायिक दुकानें भी खोल रखी थीं। पुलिस के अनुसार, वसई-विरार नगर निगम (VVMC) को भी इन अवैध गतिविधियों का आभास था। इसी कारण, इस बार पुलिस और नगर निगम ने मिलकर इन प्रतिष्ठानों के खिलाफ एक समन्वित कार्रवाई शुरू की है।

संवेदनशील इलाकों में एक साथ छापेमारी

पुलिस की कई विशेष टीमों ने नालासोपारा, अचोले और तुलिंज जैसे घनी आबादी वाले और संवेदनशील इलाकों में एक साथ दस्तक दी। इन क्षेत्रों में लंबे समय से विदेशी नागरिकों के अवैध निवास और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस प्रशासन ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए इस 'मेगा ऑपरेशन' की योजना बनाई और इसे अत्यंत गोपनीय तरीके से अंजाम दिया।

दिशा सालियन मौत मामला

सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संदेश पाटिल ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। यह याचिका दिशा के पिता सतीश सालियन की ओर से दायर की गई थी और न्यायमूर्ति सारंग कोटवाल व न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की पीठ के समक्ष पेश हुई। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पाटिल ने स्पष्ट किया कि वे पहले सीबीआई के वकील रह चुके हैं, इसलिए इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते। इसके बाद पीठ ने खुद को इस याचिका से अलग कर लिया और कहा कि इसे अब उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा।

दिशा के पिता ने लगाए गंभीर आरोप

याचिका में सतीश सालियन ने दावा किया है कि 8 जून 2020 की रात दिशा सालियन के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए मामले को दबाया जा रहा है और इसी कारण सीबीआई जांच की आवश्यकता है। सालियन का कहना है कि दिशा की मौत के पीछे सच्चाई सामने नहीं लाई गई और जांच में गंभीर खामियां रही हैं। याचिका के अनुसार, घटना की रात दिशा मालवानी स्थित अपने आवास पर दोस्तों के साथ पार्टी कर रही थीं, तभी शिवसेना (ठाकरे गुट) के विधायक आदित्य ठाकरे, उनके अंगरक्षक, अभिनेता सूरज पंचोली और डिनो मोरिया वहां पहुंचे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने अपराध को अंजाम दिया। इस बीच आदित्य ठाकरे पहले ही मामले में हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर चुके हैं और उन्होंने अदालत से आग्रह किया है कि किसी भी निर्णय से पहले उनका पक्ष सुना जाए।

पानी के लिए गांधीगिरी

68 साल के बुज़ुर्ग ने बिना कपड़ों के पानी विभाग कार्यालय पहुंच जताया विरोध

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

पानी की गंभीर किल्लत और प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ एक बुजुर्ग का अनोखा विरोध प्रदर्शन चर्चा का विषय बना हुआ है। उल्हासनगर कैंप नंबर 4 के वार्ड नंबर 14 में पिछले पांच दिनों से पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप होने से परेशान 68 वर्षीय बुजुर्ग राजाराम शंकर पवार ने महानगर पालिका के पानी आपूर्ति विभाग के कार्यालय में जाकर बिना कपड़ों के अपना विरोध दर्ज कराया। जब बार-बार गुहार लगाने के बाद भी सुनवाई नहीं हुई, तो बुजुर्ग को प्रशासन का ध्यान खींचने के लिए यह कठोर और असामान्य कदम उठाने को मजबूर होना पड़ा।

पांच दिनों से बूंद-बूंद को तरस रहे थे नागरिक

उल्हासनगर मनपा के प्रभाग-14 में पिछले पांच दिनों से नलों से एक बूंद पानी भी नहीं आ रहा था, जिसके कारण स्थानीय निवासियों का दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था। नागरिकों का आरोप है कि बुनियादी जरूरतों के लिए भी उन्हें पानी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था, जिससे लोगों का सब्र जवाब दे चुका था।

प्रशासनिक अधिकारियों पर टालमटोल के आरोप

राजाराम पवार ने मनपा प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब भी वे पानी की समस्या लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों के पास गए, उन्हें हर बार गोलमोल जवाब देकर टाल दिया गया। अधिकारियों द्वारा जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के रवैये के कारण बुजुर्ग ने आत्मसम्मान को दांव पर लगाकर इस तरह प्रदर्शन करने का फैसला लिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं था, इसलिए उन्हें मजबूरन यह रास्ता चुनना पड़ा।

विरोध के बाद हरकत में आया मनपा प्रशासन

बुजुर्ग के इस साहसी और अनोखे विरोध प्रदर्शन की खबर जैसे ही मनपा मुख्यालय तक पहुंची, प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में सोमवार रात को संबंधित परिसर में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इसके बाद मंगलवार सुबह पाइपलाइन के जरिए नियमित पानी की सप्लाई भी बहाल की गई।

झील में डूबने से 4 साल के मासूम की मौत

डीबीडी संवाददाता | पालघर

वसई पूर्व के गवरीपाड़ा इलाके में स्थित तुलसीमाता झील में डूबने से चार वर्षीय बालक विवेक शुक्ला की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुआ, जब बच्चा अपने घर के पास खेलते-खेलते झील की ओर चला गया। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई है और प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं।

खेलते समय बिगड़ा संतुलन, अस्पताल में घोषित मृत

जानकारी के मुताबिक, विवेक शुक्ला अपने माता-पिता के साथ हनुमान मंदिर के पास जीवन नगर इलाके में रहता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झील के किनारे खेलते वक्त उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में गिर गया। शोर सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकालकर वसई-विरार नगर निगम (VVMC) अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, फेफड़ों और नाक में पानी भरने से बच्चे की मौत हुई। वालीव पुलिस ने दुर्घटनावश मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों का आरोप है कि झील के आसपास न तो सुरक्षा बाड़ लगाई गई है और न ही किसी तरह का चेतावनी बोर्ड या सुरक्षा जाल मौजूद है। नागरिकों का कहना है कि इससे पहले भी सुरक्षा के अभाव में हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलाशयों के आसपास तत्काल कड़े सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों को रोका जा सके।

गुलाबराव पाटील की लातूर से वापसी की हवाई उड़ान रद्द

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री गुलाबराव पाटील की लातूर से प्रस्तावित हवाई वापसी बुधवार को रद्द करनी पड़ी। जिला परिषद चुनाव प्रचार के सिलसिले में लातूर पहुंचे मंत्री पाटील को आवश्यक हवाई क्लीयरेंस नहीं मिल सका, जिसके चलते उन्हें सड़क मार्ग से छत्रपति संभाजीनगर के लिए रवाना होना पड़ा। एवोसेट एविएशन कंपनी के छह सीटों वाले विमान को शाम साढ़े चार बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन समय पर अनुमति न मिलने से उड़ान संभव नहीं हो सकी।

क्लीयरेंस न मिलने से बदली योजना

जानकारी के अनुसार, विमान के लिए हैदराबाद, बीदर और चेन्नई से हवाई क्लीयरेंस का इंतजार शाम पांच बजे तक किया गया, लेकिन निर्धारित समय सीमा में अनुमति नहीं मिली। इसके अलावा लातूर हवाई अड्डे पर शाम के समय उड़ान संचालन की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण पायलट ने उड़ान भरने में असमर्थता जताई। अंततः सुरक्षा कारणों को देखते हुए हवाई यात्रा रद्द करने का फैसला लिया गया।

सहर्ष बाजपाई ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार किया ग्रहण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय रेल कार्मिक सेवा के 1999 बैच के वरिष्ठ अधिकारी सहर्ष बाजपाई ने मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे भारतीय रेल की विभिन्न इकाइयों में अहम प्रशासनिक और कार्मिक दायित्व निभा चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने उत्तर पूर्वोत्तर रेलवे, मध्य रेल और महाराष्ट्र मेट्रो में सेवाएं दी हैं। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पुणे; अध्यक्ष, रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, मध्य रेल; उप मुख्य कार्मिक अधिकारी; अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, पुणे; महा मेट्रो में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा मध्य रेल में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर उनका कार्यकाल रहा है।

अनुभव, शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

सहर्ष बाजपाई ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर (MPA) की डिग्री प्राप्त की है और उन्हें मानव संसाधन प्रबंधन, कार्मिक प्रशासन तथा नीति निर्माण के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। वे HRMS को मजबूत करने, कार्मिक प्रशासन में सुधार और कर्मचारी-केंद्रित शासन पद्धतियों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

महिला उत्पीड़न के मामलों में इजाफा

एक ही दिन दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा व अश्लीलता के तीन केस दर्ज, एक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर में दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और नाबालिगों से यौन अपराध के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एक ही दिन में ऐसे तीन गंभीर मामले अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी शहर पुलिस ने 13 वर्षीय बच्ची से यौन उत्पीड़न की कोशिश के मामले में राजकुमार भारती (25) को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। आरोप है कि 3 फरवरी 2026 को आरोपी ने बच्ची को घर में अकेला पाकर जबरन प्रवेश कर अश्लील हरकतें कीं। पुलिस के अनुसार, बच्ची को गहरा मानसिक आघात पहुंचा है। सभी मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है, जबकि पॉक्सो मामले में आरोपी को अदालत ने पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

दो थानों में दहेज और घरेलू हिंसा के केस दर्ज

शांतिनगर पुलिस स्टेशन में 33 वर्षीय महिला ने अपने पति आलोक रामलखन वैश्य पर शराब के नशे में गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक-शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का कहना है कि वर्ष 2021 से उसे और उसकी बेटी को खर्च तक नहीं दिया गया। वहीं, नारपोली पुलिस स्टेशन में 37 वर्षीय महिला ने पति प्रमोद शिंदे सहित सास, दो देवर, ननद और बहनोई पर कम दहेज के चलते प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया है, सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं।

वर्ल्ड कैंसर डे पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कैंसर का समय पर चेक-अप ही सही सॉल्यूशन है: सिविल सर्जन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

वर्ल्ड कैंसर डे के अवसर पर ठाणे सिविल अस्पताल में आयोजित कैंसर अवेयरनेस एवं गाइडेंस प्रोग्राम में सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि अनियमित लाइफस्टाइल, तंबाकू सेवन और समय-समय पर हेल्थ चेक-अप न कराना कैंसर के बढ़ते मामलों का बड़ा कारण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कैंसर कोई मौत की सज़ा नहीं है और समय पर पहचान होने पर इसका सफल इलाज संभव है। डॉ. पवार ने कैंसर के शुरुआती लक्षणों, बचाव के उपायों और आधुनिक इलाज पद्धतियों की जानकारी देते हुए किसी भी असामान्य शारीरिक बदलाव को नजरअंदाज न करने की अपील की।

विशेषज्ञों ने दिए जांच और बचाव के सुझाव

कार्यक्रम में ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. हितेश सिंघवी और डेंटल सर्जन डॉ. अर्चना पवार ने ब्रेस्ट, ओरल, सर्वाइकल और लंग कैंसर पर विशेष मार्गदर्शन दिया और महिलाओं व युवाओं के लिए नियमित जांच को जरूरी बताया। इस दौरान उपस्थित लोगों को कैंसर से बचाव और इलाज से संबंधित ब्रोशर वितरित किए गए। कार्यक्रम में अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, अन्य डॉक्टर, अस्पताल कर्मचारी, मरीज और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

टीएमसी में बीजेपी की सत्ता रहते हुए भी पहरेदार है: विधायक केलकर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर में भाजपा के एकमात्र विधायक संजय केलकर ने कहा है कि ठाणे महानगरपालिका में सत्ता का हिस्सा होने के बावजूद भाजपा शहरवासियों की भलाई और पारदर्शी विकास के लिए "लोगों के पहरेदार" की भूमिका निभाएगी। मंगलवार को हुए मनपा चुनाव में शिवसेना (शिंदे गुट) की शर्मिला पिंपोलकर के निर्विरोध महापौर और भाजपा की कृष्णा पाटिल के उपमहापौर चुने जाने के बाद केलकर ने स्पष्ट किया कि महागठबंधन में पदों के बंटवारे का फैसला राज्य स्तर पर वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिया गया है और वही व्यवस्था ठाणे मनपा में भी लागू की गई है।

गलत कामों का विरोध, हॉकर्स पर सख्त रुख

संजय केलकर ने कहा कि भाजपा ठाणे के लोगों से किए गए चुनावी वादों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और शहर को पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त तथा सही दिशा में विकसित करने के लिए काम करेगी। उन्होंने साफ किया कि अच्छी योजनाओं का समर्थन किया जाएगा, लेकिन किसी भी गलत काम, गैरकानूनी निर्माण या जनविरोधी नीति का कड़ा विरोध होगा। हॉकर्स के मुद्दे पर उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि शहर में 100 हॉकर्स से संख्या बढ़कर हजारों में पहुंच गई है, जिससे सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण हो गया है और पैदल चलने की जगह नहीं बची है। केलकर ने सवाल उठाया कि अब तक ठोस हॉकर्स नीति क्यों नहीं बनी और कहा कि इस तरह की समस्याओं पर भाजपा सख्त रुख अपनाएगी।

विधायक कुमार आयलानी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

कल्याण-अंबरनाथ रोड सहित एमएमआरडीए सड़कों की प्रगति पर बैठक

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा क्षेत्र में लंबित और प्रगति पर चल रहे शहर विकास कार्यों की समीक्षा के लिए विधायक कुमार आयलानी ने बुधवार को अपने जनसंपर्क कार्यालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में खास तौर पर कल्याण-अंबरनाथ रोड के कार्यों की प्रगति और मनपा से जुड़ी विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी ली गई। इसमें पीडब्ल्यूडी, जलापूर्ति, टाउन प्लानिंग, ट्रैफिक, लीगल विभाग तथा संबंधित ठेकेदारों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चौक निर्माण के लिए तत्काल मार्किंग के निर्देश

समीक्षा के दौरान विधायक आयलानी ने शहर की प्रमुख कंक्रीट सड़कों की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए मनपा के टाउन प्लानिंग विभाग को डर्बी चौक, स्टेट बैंक चौक, 17 सेक्शन, रिलायंस चौक, फॉरवर्ड लाइन और राधास्वामी सत्संग परिसर में चौक निर्माण के लिए तत्काल मार्किंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क चौड़ीकरण से पहले सभी तकनीकी और आवश्यक कार्य पूरे किए जाएं, ताकि भविष्य में दोबारा खुदाई या तोड़फोड़ की नौबत न आए।

युद्धस्तर पर काम पूरा करने का आदेश

विधायक ने कल्याण-अंबरनाथ रोड पर पेड़ों की शिफ्टिंग और प्रभावित दुकानदारों को जल्द न्याय दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही ट्रैफिक जाम से नागरिकों को हो रही परेशानी का जिक्र करते हुए ठेकेदारों को युद्धस्तर पर काम पूरा करने को कहा। कार्य में तेजी लाने के लिए मैनपावर और मशीन पावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

सोसाइटी की लिफ्ट के अंदर फटा 'गुब्बारा', 3 लोग झुलसे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गोरेगांव वेस्ट स्थित 'अनमोल टॉवर' में दोपहर के समय एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई। एक बिल्डिंग की लिफ्ट में गैस से भरे गुब्बारों के अचानक फट जाने से अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब लिफ्ट के भीतर एक युवती और दो युवक मौजूद थे। जैसे ही गुब्बारे लेकर युवक लिफ्ट में दाखिल हुआ, चंद सेकंड के भीतर ही एक भीषण ब्लास्ट हुआ और पूरी लिफ्ट आग की लपटों से घिर गई। यह पूरी घटना लिफ्ट के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज के अनुसार, सबसे पहले एक युवती ट्रॉली बैग लेकर लिफ्ट में प्रवेश करती है और अपने फ्लोर का बटन दबाती है। उसके तुरंत बाद एक युवक हाथ में एक बड़े पॉलिथीन बैग में दर्जन भर से ज्यादा गुब्बारे लेकर अंदर आता है। जैसे ही तीसरा व्यक्ति लिफ्ट में घुसने की कोशिश करता है, अचानक गुब्बारे फट जाते हैं और पूरी लिफ्ट में आग का गोला बन जाता है।

ज्वलनशील गैस के उपयोग की आशंका

प्रारंभिक जांच और विशेषज्ञों के अनुसार, यह ब्लास्ट गुब्बारों में भरी गई गैस के कारण हुआ है। आमतौर पर गुब्बारों के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली हीलियम गैस ज्वलनशील नहीं होती। हालांकि, कम कीमत के चक्कर में अक्सर विक्रेता गुब्बारों में अत्यधिक ज्वलनशील हाइड्रोजन गैस भर देते हैं। अंदेशा जताया जा रहा है कि पॉलिथीन बैग के भीतर घर्षण या किसी चिंगारी के संपर्क में आने से हाइड्रोजन गैस ने आग पकड़ ली, जिससे यह भयावह धमाका हुआ।

हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे

विस्फोट इतना तीव्र था कि लिफ्ट में मौजूद तीनों लोग इसकी चपेट में आ गए। आग की लपटों से बचने के लिए युवती और युवक तुरंत लिफ्ट से बाहर भागने लगे, जबकि घबराहट में युवती ने अपना सामान लिफ्ट के भीतर ही छोड़ दिया। इस हादसे में तीनों को जलने के कारण गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है।

लापरवाह विक्रेता के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई

इस घटना को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस ने गैस गुब्बारा बेचने वाले विक्रेता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि गुब्बारों में कौन सी गैस भरी गई थी और क्या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया गया था।

केंद्र सरकार के खिलाफ मुंबई युवक कांग्रेस का आंदोलन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

चीन सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार की कथित लापरवाही और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने के विरोध में बुधवार को मुंबई युवक कांग्रेस ने जोरदार आंदोलन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और चीन मुद्दे पर सरकार से स्पष्ट जवाब की मांग की।

ज़ीनत शबरीन के नेतृत्व में जुटे कार्यकर्ता

मुंबई युवक कांग्रेस की अध्यक्ष ज़ीनत शबरीन के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुंबई कांग्रेस कार्यालय स्थित राजीव गांधी भवन परिसर में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में केंद्र सरकार विरोधी नारे लिखी तख्तियां थीं। शबरीन ने आरोप लगाया कि देश की सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर मोदी सरकार चुप्पी साधे हुए है और सच्चाई को दबाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि गलवान प्रकरण को लेकर प्रधानमंत्री क्या छिपा रहे हैं और चीन के साथ हुए संघर्ष पर देश को स्पष्ट जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा।

गलवान संघर्ष और जवाबदेही की मांग

ज़ीनत शबरीन ने कहा कि वर्ष 2020 में चीन के साथ हुए संघर्ष पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे की पुस्तक में किए गए खुलासों पर संसद में चर्चा से राहुल गांधी को रोकना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सेना की चेतावनियों के बावजूद समय पर निर्णय नहीं लिए गए, जिसके चलते देश के वीर जवानों को शहादत देनी पड़ी। शबरीन ने मांग की कि जवानों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और शहीदों का बलिदान व्यर्थ न जाने दिया जाए।

तृतीय पंथियों के लिए स्वतंत्र वार्ड और आरक्षित बिस्तरों की व्यवस्था का निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में तृतीय पंथी (ट्रांसजेंडर) समुदाय की स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान और विभागीय समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक राज्य की समाज कल्याण आयुक्त श्रीमती दीपा मुधोल-मुंडे की अध्यक्षता में हुई, जिसमें समुदाय को बेहतर, सम्मानजनक और भेदभाव-रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में तृतीय पंथी व एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि राज्य के सभी जिला अस्पतालों में तृतीय पंथियों के लिए स्वतंत्र वार्ड और आरक्षित

बिस्तरों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही जिला स्तर पर मेडिकल बोर्ड गठित किए जाएंगे और सिविल अस्पतालों में लिंग परिवर्तन सर्जरी (एसआरएस), हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी), परामर्श और काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक जिला अस्पताल में एचआरटी और एसआरएस के लिए एंडोक्रिनोलॉजिस्ट की नियुक्ति तथा अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर तृतीय पंथियों के लिए अलग शौचालयों के निर्माण के निर्देश भी दिए गए हैं।

प्रशिक्षण, योजनाएं और विभागीय समन्वय

सभी अस्पताल अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 'लिंग संवेदीकरण' प्रशिक्षण को अनिवार्य करने का फैसला लिया गया है। इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम में एचआरटी और एसआरएस से जुड़े विषय शामिल करने के लिए सरकार को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि ब्रेस्ट इंप्लांट और लेजर उपचार जैसी सुविधाओं को आयुष्मान भारत कार्ड में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जबकि एचआईवी से प्रभावित तृतीय पंथियों को एआरटी सेंटरों में प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोकना मोदी सरकार की तानाशाही: सपकाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि चीन सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोका जा रहा है। सपकाल के अनुसार, सरकार चीन के मुद्दे पर सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है और संसद की लोकतांत्रिक परंपराओं व नियमों को ताक पर रखकर तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने इस स्थिति को भारतीय लोकतंत्र के लिए निंदनीय बताया। तिलक भवन में पत्रकारों से चर्चा के दौरान सपकाल ने पूर्व थलसेना

प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक 'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनरल नरवणे ने चीन प्रकरण पर जो खुलासे किए हैं, उससे सरकार की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े होते हैं। राहुल गांधी इसी विषय पर सदन का ध्यान खींचना चाहते थे। सपकाल ने जोर देकर कहा कि देश की सीमाओं पर क्या हो रहा है, यह जानने का अधिकार भारत के हर नागरिक को है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे पर बोलते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने सरकार की मंशा पर गहरे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर कई स्तरों पर संदेह व्यक्त किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक 'ब्लैक बॉक्स' की रिकॉर्डिंग सार्वजनिक नहीं की गई है और न ही जांच में कोई ठोस प्रगति दिखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में जानबूझकर देरी कर रही है, जिससे इस दुखद घटना के पीछे किसी बड़ी साजिश का अंदेशा बढ़ रहा है।

सरकार की तत्परता और जांच की सुस्ती पर सवाल

सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने शपथ ग्रहण के लिए जितनी जल्दबाजी दिखाई, उतनी तत्परता विमान हादसे की उच्चस्तरीय जांच के लिए नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के अगले ही दिन पत्र व्यवहार कर मामले को जिस तरह शांत करने की कोशिश की गई, वह संदिग्ध है। अजित पवार जैसे अनुशासित नेता के साथ ऐसा हादसा होना कई अनुत्तरित सवाल छोड़ता है, जिनके जवाब जनता चाहती है।

राज्य की कानून-व्यवस्था पर कड़ा प्रहार

महाराष्ट्र की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि राज्य में पूर्णकालिक गृहमंत्री न होने के कारण कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में 'कोयता गैंग', रेत माफिया, ड्रग्स माफिया और बिश्नोई गैंग जैसी आपराधिक प्रवृत्तियां सक्रिय हैं। सपकाल के अनुसार, सरकार की प्रशासनिक विफलता के कारण ही इन असामाजिक तत्वों को संरक्षण मिल रहा है और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है।

सोनम वांगचुक के मुद्दे पर सरकार को घेरा

हर्षवर्धन सपकाल ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का उदाहरण देते हुए कहा कि जब उन्होंने चीन द्वारा भारतीय सीमा में घुसपैठ का मुद्दा उठाया, तो सरकार ने उन्हें जेल में डाल दिया। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि जो भी व्यक्ति देश की सुरक्षा या सरकार की विफलताओं पर सवाल उठाता है, उसकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वे इन मुद्दों को जनता के बीच ले जाएंगे और सरकार से जवाबदेही की मांग जारी रखेंगे।

अजित पवार विमान हादसा

अब शिंदे गुट ने भी उठाए सवाल, गहन जांच की मांग

मुंबई। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना (शिंदे गुट) ने भी इस घटना पर संदेह जताते हुए गहन जांच की मांग की है। शिंदे गुट के नेता व मंत्री भरत गोगावले ने कहा कि यदि अजित पवार की पार्टी के नेताओं को ही हादसे पर शक है, तो इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं हुई।

तकनीकी खामी की आशंका, जांच की मांग

इससे पहले एनसीपी (एपी) के विधायक अमोल मिटकरी, पार्टी नेता रुपाली ठोंबरे पाटिल और मंत्री छगन भुजबल ने भी विमान दुर्घटना को लेकर सवाल उठाए थे। भुजबल ने उड़ान के बाद विमान के तिरछा होने पर रडार या तकनीकी खराबी की आशंका जताई थी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार सहित कई नेताओं ने भी हादसे की गहन जांच की मांग करते हुए कहा है कि जांच के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी।

सीएम ने 'लाडकी बहिन' योजना के नाम को बदलने का दिया आश्वासन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि राज्य सरकार 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना का नाम बदलकर दिवंगत उपमुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजित पवार के नाम पर रखने की मांग पर विचार करेगी। यह योजना राज्य की महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने की एक प्रमुख सरकारी पहल है।

मुख्यमंत्री फडणवीस का बयान

हरिद्वार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'कई मांगें सामने आई हैं। हम सभी संबंधित पहलुओं पर साथ बैठकर विचार करेंगे कि इसे कैसे किया जाए।' उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार सभी सुझावों पर गंभीरता से मंथन करेगी।

राकांपा की पहल और भावनात्मक अपील

राकांपा के विधान परिषद सदस्य अमोल मिटकरी ने यह मांग उठाई थी कि योजना का नाम बदलकर 'अजित दादा लाडकी बहिन' रखा जाए। उन्होंने कहा कि अजित पवार राज्य की महिलाओं के प्रिय भाई थे और यात्राओं के दौरान उनकी कलाई राखियों से भरी रहती थी। मिटकरी के अनुसार, योजना को अजित पवार के नाम से जोड़ना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

लोखंडवाला में मॉडल को कार से कुचलने का प्रयास

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अंधेरी पश्चिम के लोखंडवाला इलाके में एक मॉडल की हत्या की कोशिश का रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। 'एरेना बिल्डिंग' के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई इस घटना में एक 29 वर्षीय युवक अपनी कार से महिला को सरेआम कुचलने का प्रयास करता दिख रहा है। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद स्थानीय निवासियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और इमारत का गेट बंद कर दिया, जिससे मॉडल की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस

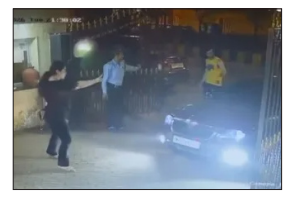

जांच में यह बात सामने आई है कि यह हमला अचानक नहीं हुआ था, बल्कि पिछले नौ महीनों से चल रहे विवाद और मानसिक प्रताड़ना का परिणाम था। आरोपी की पहचान मोहम्मद शेख के रूप में हुई है, जो लंबे समय से मॉडल और उसके परिवार को परेशान कर रहा था। आरोपी पीड़िता के बारे में समाज में गलत अफवाहें फैला रहा था, जिसे लेकर दोनों के बीच पहले भी कई बार तीखी बहस हो चुकी थी। पीड़िता का आरोप है कि मोहम्मद शेख का व्यवहार दिनों-दिन हिंसक होता जा रहा था। घटना से कुछ दिन पहले जब मॉडल अपनी सहेली के साथ आरोपी के घर शिकायत करने गई थी, तो उसने दरवाजा नहीं खोला। इसके अगले ही दिन पीड़िता की सहेली को स्नैपचैट पर एक अत्यंत डरावना संदेश मिला, जिसमें उन दोनों पर 'एसिड अटैक' (तेजाब हमला) करने की सीधी धमकी दी गई थी। इस धमकी के बाद से ही मॉडल और उसका परिवार दहशत में था। मंगलवार रात करीब 9:30 बजे जब मॉडल अपनी बिल्डिंग के गेट पर खड़ी थी, तभी मोहम्मद शेख अपनी कार लेकर वहां पहुँचा। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि आरोपी ने अचानक कार की रफ्तार बढ़ाई और उसे सीधे महिला की ओर मोड़ दिया। पहली टक्कर के बाद जब महिला ने विरोध किया, तो आरोपी ने कार रिवर्स की और दोबारा उसे कुचलने की कोशिश की। वहां मौजूद भीड़ ने शोर मचाया, लेकिन आरोपी कार लेकर भागने में सफल रहा।

ओशिवारा पुलिस ने दर्ज किया जानलेवा हमले का केस

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और पीड़िता की शिकायत के बाद ओशिवारा पुलिस ने आरोपी मोहम्मद शेख के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत जान से मारने की कोशिश, पीछा करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस की विशेष टीमें गठित की गई हैं जो आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
प्रतिस्थापन कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की इ प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/32। कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल में विभिन्न स्टेशनों पर वास्तविक इंसुलेटर पर COP/FOB के नीचे बिछी केवलों को वस बार ट्रंकिंग सिस्टम से प्रतिस्थापित करना। **कार्य की लागत:** ₹ 1,95,61,423.35, **बोली प्रतिभूति:** ₹ 2,47,800.00, **कार्य पुरा करने की अवधी:** 24 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** दि 20.02.2026 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रक्कम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है। EXP-04

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

संदर्भ क्रमांक: क्र. उप.प्र.अभि./यांवावि/3382/पू.उप., दिनांक: 04 फ़रवरी 2026

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा क्रमांक:	2026_MCGM_1274274_1
विषय	ला.ब.शा. मार्ग, जकात नाका, मुलुंड स्थित इमारत में उप प्रमुख अभियंता (यांत्रिकी व विद्युत) – पूर्व उपनगर के कार्यालय हेतु दो वर्ष की अवधि के लिए हाउसकीपिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने के संबंध में।
निविदा बिक्री	निविदा प्रारंभ दिनांक एवं समय: 05.02.2026 — प्रातः 11.00 बजे निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय: 11.02.2026 — अपराह्न 04.00 बजे
निविदा वेबसाइट:	www.mahatenders.gov.in
ए) संपर्क अधिकारी का नाम:	श्रीमती स्मिता तोडणकर
बी) मोबाइल क्रमांक:	8291715782
सी) ई-मेल आईडी:	aees03.me@mcgm.gov.in

हस्ता/-
(श्रीमती आर. एस. कदम)
कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी व विद्युत)
पूर्व उपनगर – 1

पीआरओ/2867/विज्ञा./2025-26

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

मुंबई स्लम सुधार बोर्ड
(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA

दूरभाष : 022-66405484, ई-मेल : eecityslum@gmail.com

क्रमांक: EE/City/MSIB/ई-निविदा/लेबर सोसायटी/32/2025-26

मुंबई स्लम इम्प्रूवमेंट बोर्ड (म्हाडा की इकाई) के कार्यकारी अभियंता (सिटी) विभाग, कक्ष क्रमांक 539, चौथी मंज़िल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400051 द्वारा श्रम सहकारी संस्थाओं (जिनका पंजीकरण उप जिला निबंधक, सिटी जिला, मुंबई के अंतर्गत है) से बी-1 (प्रतिशत दर) पद्धति में कुल 10 कार्यों हेतु ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रक्रिया ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज़ महाराष्ट्र शासन के ई-निविदा पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे तथा वहीं से डाउनलोड किए जा सकेंगे: https://mahatenders.gov.in

निविदादार उपरोक्त वेबसाइट पर ही अपनी निविदाएँ ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे। निविदा दस्तावेज़ की बिक्री 05.02.2026 प्रातः 01:05 बजे से प्रारंभ होगी तथा निविदा दस्तावेज़ बिक्री समाप्ति दिनांक 12.02.2026 अपराह्न 03:00 बजे तक रहेगी। यदि कोई शुद्धिपत्र / संशोधन जारी किया जाता है, तो वह केवल mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। शर्तयुक्त निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएँगी।

Follow us: @mhadaofficial
CPRO/A/63

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (सिटी)
मुंबई स्लम इम्प्रूवमेंट बोर्ड, मुंबई

म्हाडा – राष्ट्र की अग्रणी आवास प्राधिकरण

संपादकीय

टैरिफ में राहत

यह सुखद ही है कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाये गए भारी-भरकम पचास फीसदी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर देने की बात कही जा रही है। दलील दी जा रही थी कि भारत पर रूस से सस्ता तेल खरीदने के एवज में पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था। कुछ वैश्विक व्यापार के जानकार मानते हैं कि यह व्यापार समझौते को अमेरिका के पक्ष में लाने के लिये दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा ही था। लेकिन जिसके आगे भारत ने जल्दी से घुटने नहीं टेके थे। अब कहा जा रहा है कि टैरिफ के पचास फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने से भारत ने राहत की सांस ली है। यह भारत के रत्न, आभूषण, वस्त्र और परिधान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिये सुखदकारी खबर है, जो बीते साल अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ाने के बाद से ही संघर्षरत रहे हैं। कहा जा रहा है कि लंबे समय से प्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सिरे चढ़ने के करीब है। आशंका जताई जा रही है कि यह समझौता अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ प्रतीत होता है। हालांकि, इस समझौते से जुड़े व्यापक विवरण का अभी सामने आने का इंतजार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस समझौते के तहत भारत अमेरिका से पेट्रोलियम पदार्थ, रक्षा संबंधी उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार से जुड़े उपकरण और विमानों की खरीद बढ़ाएगा। अमेरिका के नीति-नियंता दलील देते रहे हैं कि यह व्यापार समझौता उसके व्यापार घाटे को कम करने और कथित रूप से भारत को 'अनुचित लाभ' से वंचित करने की डोनाल्ड ट्रंप की मंशा के अनुरूप ही है। यह समझा जा रहा है कि कहीं न कहीं अमेरिका ने दबाव डालकर भारत को रूसी तेल की खरीद बंद करने के लिये बाध्य कर लिया है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इस प्रक्रिया को पूरा होने में कुछ महीनों का समय लग सकता है। इसी तरह व्यापार बाधाओं को कम करने में भी कुछ वक्त लग सकता है। वैसे रूस से तेल खरीदने पर रोक के संकेत तब मिलने लगे थे, जब भारतीय पेट्रोलियम रिफाइनरियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम करनी शुरू कर दी थी। वहीं दूसरी ओर रूस से होने वाली कम आपूर्ति से उपजी परिस्थितियों के मुकाबले के लिये भारत ने पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात बढ़ा दिया था। वैसे इस बाबत चिंता की बात तब उत्पन्न हुई थी जब अमेरिकी कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस ने कहा था – 'व्यापार समझौता अमेरिकी कृषि निर्यात को बढ़ावा देगा, कीमतों में वृद्धि करेगा और अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में नकदी का प्रवाह बढ़ाएगा।' ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या मोदी सरकार डेयरी और कृषि क्षेत्रों में अमेरिकी उत्पादों के लिये भारत के बाजारों को खोलते हुए घरेलू किसानों के हितों की रक्षा कर पाएगी? यह जानते हुए भी कि भारत में कृषि व किसान राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा है। वैसे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के लगातार दबाव व 'या तो मेरी बात मानो या फिर रास्ता छोड़ दो' वाले रवैये ने नई दिल्ली को कई रियायतें देने और समझौते करने के लिये मजबूर कर दिया है। निस्संदेह,यह एक हकीकत है कि व्यापार के मोर्चे पर अमेरिका का पलड़ा भारी बना हुआ है। जिससे भारत की सौदेबाजी करने की क्षमता और रणनीतिक स्वायत्तता बनाये रखने की क्षमता को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि भारत के निर्यात प्रतिस्पर्धियों मसलन इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश आदि पर अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाए जा रहे हैं। हालांकि, चिंता इस बात को लेकर भी जतायी जा रही है कि भारत ने ट्रंप को मात देने का एक अवसर खोया भी है। वैसे यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। खासकर ट्रंप के राष्ट्रपति काल में ये नीतियां ज्यादा आक्रामक रूप में सामने आई हैं। जिसका खामियाज उसके मित्र देश भी भुगत रहे हैं।

परतों में उलझता मन और परिपक्वता

ज्योति अग्रवाल

स्नातक (B.Sc) एवं परास्नातक (M.A) की शिक्षा प्राप्त की है तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण की है। राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

> व्यवहार की परतें, विचारों की परतें और भावनात्मक दूरी की परतें। शुरुआत में ये परतें हमें सुरक्षित रखने का काम करती हैं। अस्वीकृति, उपेक्षा और पीड़ा से बचने के लिए हम अनजाने में खुद को अलग-अलग परतों से ढक लेते हैं। किसी के सामने हम कुछ बन जाते हैं, किसी और के सामने कुछ और...! धीरे धीरे यही परतें हमारी आदत बन जाती हैं। और एक समय ऐसा आता है जब हम स्वयं को इन्हीं के पीछे पूरी तरह से छिपा लेते हैं। तब हमें यह भी स्पष्ट नहीं रहता कि हमारा असल चेहरा कौन-सा है और कौन-सा केवल परिस्थिति के अनुसार ओढ़ा गया आवरण..!

वर्तमान में मानव समाज विज्ञान और तकनीक के चलते अभूतपूर्व तरक्की कर चुका है। जीवन पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक, तेज और संसाधनों से भरपूर हो गया है। विकल्पों की भरमार है और हर व्यक्ति अपनी जरूरत व पसंद के अनुसार चीजों का चयन कर सकता है। बाहरी तौर पर यह समृद्धि संतोष का आभास देती है, लेकिन भीतर एक अजीब सा खालीपन लगातार बढ़ता जा रहा है। इस खालीपन को भरने के लिए इंसान भौतिक उपलब्धियों, रिश्तों, काम और दिखावे का सहारा लेता है, फिर भी मन स्थिर नहीं हो पाता। शायद समस्या साधनों की नहीं, बल्कि स्वयं से दूर होते जाने की है। दरअसल, हम अपना जीवन परतों में जीते हैं। बचपन से ही हम परतों में जीना सीख लेते हैं। व्यवहार की परतें, विचारों की परतें और भावनात्मक दूरी की परतें। शुरुआत में ये परतें हमें सुरक्षित रखने का काम करती हैं। अस्वीकृति, उपेक्षा और पीड़ा से बचने के लिए हम अनजाने में खुद को अलग-अलग परतों से ढक लेते हैं। किसी के सामने हम कुछ बन जाते हैं, किसी और के सामने कुछ और...! धीरे धीरे यही परतें हमारी आदत बन जाती हैं। और एक समय ऐसा आता है जब हम स्वयं को इन्हीं के पीछे पूरी तरह से छिपा लेते हैं। तब हमें यह भी स्पष्ट नहीं रहता कि हमारा असल चेहरा कौन-सा है और कौन-सा केवल परिस्थिति के अनुसार ओढ़ा गया आवरण..! संसाधनों से भरे इस समय में सच्चा मानवीय जुड़ाव दुर्लभ होता जा रहा है। बातचीत की कमी नहीं है, शब्दों की भी नहीं, लेकिन भावनात्मक गहराई लगातार कम होती जा रही है। संवाद औपचारिक, शिष्ट और सतही हो गए हैं। लोग एक ही छत के नीचे रहते हुए भी एक दूसरे को जान नहीं पाते। ये अदृश्य परतें दिलों के बीच दीवार बन जाती हैं। हम सामने वाले को उसके पद, भूमिका या विचारधारा के चश्मे से देखते हैं, इंसान के रूप में देखने का धैर्य खोते जा रहे हैं। मतभेद के क्षणों में यह दूरी और स्पष्ट हो जाती है। ऐसे समय मैं स्वयं को निर्णय लेने से पहले ठहरने की याद दिलाती हूं। प्रतिक्रिया देना आसान होता है, समझना कठिन। लेकिन हर कठोर शब्द, हर तीखे व्यवहार के पीछे एक ऐसा इंसान होता है जिसे जीवन ने किसी-न-किसी मोड़ पर सतर्क होना सिखाया। वह भी कभी मासूम रहा होगा, उसने भी कभी बिना किसी परत के भरोसा किया होगा। यह

समझ किसी के गलत व्यवहार को सही नहीं ठहराती, पर संवाद में करुणा अवश्य जोड़ देती है और करुणा के बिना संवाद केवल शक्ति प्रदर्शन बन कर रह जाता है। एक मित्र की कही बात मुझे अक्सर याद आती है। उसने कहा था कि वह किसी से भी सहजता से बात कर लेता है। जब कारण पूछा गया तो उसका उत्तर था, उनकी आंखों में देखो, भीतर से सब एक जैसे हैं। यह वाक्य साधारण होते हुए भी गहरे अर्थ समेटे है। धन, सफलता और सामाजिक हैसियत के भेद के बावजूद हर व्यक्ति सुरक्षा, सम्मान और स्वीकार्यता चाहता है। जब यह समझ विकसित होती है, तब बातचीत प्रतिस्पर्धा नहीं रहती, वह संबंध बन जाती है। हम जिस भौतिक प्रगति पर गर्व करते हैं, उसने सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन भीतर की रिक्तता को भरने में वह असफल रही है। तकनीक ने दूरी घटाई है, पर निकटता नहीं बढ़ा पाई। आधुनिक जीवन हमें मजबूत दिखने, भावनाएं छिपाने और तेजी से आगे बढ़ने की सीख देता है। संवेदनशीलता को कमजोरी और ठहराव को समय की बर्बादी मान लिया गया है। इसी दौड़ में हम अपने ही भीतर से कटते चले जाते हैं। यह कहना गलत होगा कि परतें पूरी तरह अनुपयोगी हैं। समाज में रहते हुए कुछ भावनात्मक कवच आवश्यक भी होते हैं। हर सत्य हर समय कहना संभव नहीं होता। लेकिन जब परतें आवश्यकता से अधिक हो जाती हैं, तब वे सांस लेने में बाधा बन जाती हैं। वे हमारी सहजता, सृजनशीलता और आत्मिक आवाज को दबा देती हैं। यदि सफलता हमें अपने भीतर से दूर कर दे, तो वह सफलता भी अधूरी रह जाती है। सच और बनावट के अंतर को मन बहुत सहजता से पहचान लेता है। यह अनुभव मुझे अपनी बेटी के माध्यम से हुआ। एक फुटबॉल मैच में उसे पदक मिला, लेकिन वह प्रसन्न नहीं थी, क्योंकि वह जानती थी कि उसका योगदान सीमित था। कुछ समय बाद उसने मेहनत से दूसरा स्थान प्राप्त किया। उस दिन उसका गर्व शांत, स्थिर और सच्चा था। आत्मा प्रयास, ईमानदारी और सत्य को पहचानती है, उम्र का इससे कोई संबंध नहीं होता। आज जीवन के इस पड़ाव पर संतोष का भाव अवश्य है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि केवल संतोष ही पूर्णता नहीं देता। पूर्णता अच्छे इंसान बनने, अच्छा करने और स्वयं के प्रति ईमानदार रहने में निहित है। शायद परिपक्वता नई परतें जोड़ने में नहीं, बल्कि उन परतों को धीरे धीरे उतारने में है जिनकी अब आवश्यकता नहीं रही। हर उतरी हुई परत के साथ मन हल्का होता जाता है और स्वयं से संवाद गहरा। परतें पड़ती रहीं, और दूर जाती रही मैं अंतरमन से। अब शायद समय है कि इस दूरी को पहचाना जाए और साहस के साथ अनावश्यक परतों को उतार कर फिर से अपने भीतर की सच्चाई से जुड़ा जाए। यही परिपक्वता की सबसे शांत और गहरी पहचान है।

हमारी गीता

कुरुक्षेत्र से कॉर्पोरेट तक: क्या हम आज के 'अर्जुन' नहीं हैं

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर जो घटा, वह केवल एक पौराणिक युद्ध नहीं था, बल्कि वह मानवीय मन के अंतर्द्वंद्व की पहली और सबसे बड़ी केस-स्टडी थी। जब अर्जुन ने अपने सारथी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच खड़ा करने को कहा, तो सामने अपनों को देखकर उसके हाथ से धनुष छूट गया। वह योद्धा जो महादेव तक से लोहा ले चुका था, अचानक अवसाद (Depression) और संशय से घिर गया। आज के विज्ञापनों में हम अक्सर 'बिफोर' और 'आफ्टर' (पहले और बाद) की तस्वीरें देखते हैं। गीता भी कुछ ऐसी ही है। पहले अध्याय का अर्जुन रोता हुआ, डरा हुआ और 'मैं नहीं लड़ूँगा' कहने वाला एक हारा हुआ इंसान है। लेकिन अठारहवें अध्याय तक पहुँचते-पहुँचते वही अर्जुन आत्मविश्वास से भरकर कहता है—'करिष्ये वचनं तव' (मैं आपके आदेश का पालन करूँगा)। यह बदलाव ही गीता की असली शक्ति है। आज हम सब कहीं न कहीं पहले अध्याय वाले अर्जुन हैं। हमारे पास उच्च शिक्षा है, बैंक बैलेंस है, बड़ी गाड़ियाँ और ऊँचे पद हैं। हम बड़ी-बड़ी कंपनियों का टर्नओवर संभाल लेते हैं, लेकिन घर में दो साल के बच्चे की जिद या अपनों के साथ बिगड़ते रिश्तों को नहीं संभाल पाते। डिप्रेशन, तनाव और फ्रस्ट्रेशन आज घर-घर की कहानी है। सुख-सुविधाओं के अंबार के बीच भी मन से दुबला और निराश होना ही 'आधुनिक अर्जुन' होने की निशानी है। अर्जुन एक राजकुमार था और हम एक आम इंसान, लेकिन हम दोनों का 'मन' एक जैसा है। भावनाएँ, डर और मोह काल और देश की सीमाओं में नहीं बँधे होते। गीता का संदेश कालबाह्य नहीं है, बल्कि वह आज के 'तनावग्रस्त' मानव के लिए सबसे बड़ी मानसिक औषधि है। यदि हम भी श्रीकृष्ण के उपदेशों को जीवन में उतार लें, तो जीवन के हर युद्ध को जीतना संभव है।

शख्सियत — रमाकांत आचरेकर

गुरु वही जो हीरे की परख करना और उसे तराशना जानता हो

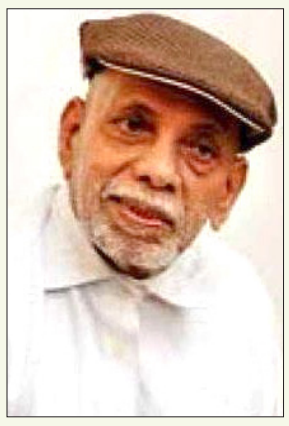

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जो भले ही स्कोरकार्ड पर दर्ज न हों, लेकिन जिनके बिना महान पारियां संभव ही नहीं होतीं। रमाकांत आचरेकर ऐसे ही व्यक्तित्व थे। वे केवल एक क्रिकेट कोच नहीं, बल्कि उन अनगिनत सपनों के शिल्पकार थे।

जिन्होंने भारतीय क्रिकेट को उसकी पहचान दिलाई। 5 फरवरी 1932 को महाराष्ट्र के मालवण में जन्मे आचरेकर ने अपने जीवन को क्रिकेट और अनुशासन की साधना में समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि प्रतिभा ईश्वर की देन होती है, लेकिन उसे आकार देने का काम गुरु करता है। आचरेकर का स्वयं का क्रिकेट करियर बहुत लंबा या चमकदार नहीं रहा। वे प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपनी अलग पहचान नहीं बना सके, लेकिन यहीं से उनकी असली यात्रा शुरू हुई। उन्होंने यह समझ लिया था कि उनका उद्देश्य मैदान पर रन बनाना नहीं, बल्कि भविष्य के रणजी, टेस्ट और विश्व कप विजेता खिलाड़ी तैयार करना है। मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क को उन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया और धीरे-धीरे यह मैदान भारतीय क्रिकेट की सबसे उपजाऊ नर्सरी बन गया। रमाकांत आचरेकर की पहचान सबसे अधिक उनके शिष्य सचिन तेंदुलकर से जुड़ी है। जब महज 11 साल के सचिन को उनके भाई अजीत तेंदुलकर आचरेकर के पास लेकर आए, तो गुरु ने पहली ही नजर में उस बच्चे की आंखों में छिपी आग को पहचान लिया। आचरेकर केवल प्रतिभा देखने वाले नहीं थे, वे उसे परखते और कठोर अभ्यास से तराशते थे। उनका प्रसिद्ध 'एक रुपये का सिक्का' प्रयोग आज क्रिकेट की लोककथा बन चुका है। सचिन के स्टंप पर रखा सिक्का केवल इनाम नहीं, बल्कि धैर्य, एकाग्रता और संघर्ष का प्रतीक था। सचिन आज भी मानते हैं कि वे सिक्के उनके लिए किसी ट्रॉफी से कम नहीं। आचरेकर सर का प्रशिक्षण तरीका सख्त, लेकिन उद्देश्यपूर्ण था। वे मानते थे कि असली परीक्षा आराम में नहीं, थकान में होती है। इसलिए वे अपने शिष्यों को एक ही दिन में कई मैच खिलवाते, कभी-कभी तो सुबह से शाम तक बल्लेबाजी या गेंदबाजी कराते। उनका विश्वास था कि जो खिलाड़ी थकान से लड़ना सीख लेता है, वही अंतरराष्ट्रीय दबाव झेल सकता है। तकनीक के साथ-साथ वे मानसिक मजबूती पर भी उतना ही जोर देते थे। उनका अनुशासन कई बार कठोर लगता था, लेकिन उसी कठोरता में भविष्य छिपा होता था। जब एक बार सचिन स्कूल मैच छोड़कर सीनियर खिलाड़ियों का मैच देखने चले गए, तो आचरेकर ने उन्हें सबके सामने डांटा और थप्पड़ भी मारा। उस क्षण कही गई उनकी बात आज भी प्रेरणा देती है—"दूसरों के लिए तालियां बजाने के बजाय ऐसा खेलो कि दुनिया तुम्हारे लिए तालियां बजाए।" यही वाक्य सचिन जैसे महान खिलाड़ी की सोच की नींव बना। आचरेकर ने केवल सचिन तेंदुलकर ही नहीं, बल्कि विनोद कांबली, प्रवीण आमरे, अजीत अगरकर, रमेश पोवार जैसे कई दिग्गज खिलाड़ियों को गढ़ा। हर शिष्य के लिए उनका तरीका अलग होता था, क्योंकि वे जानते थे कि हर हीरा एक जैसा नहीं होता। वे पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाले गुरु थे, जिन्हें अपनी प्रसिद्धि से अधिक शिष्यों की सफलता प्रिय थी।

जीवन ऊर्जा

नयनतारा सहगल: जन्म 5 फरवरी 1927 — जन्म

आज़ादी तभी सुरक्षित है जब हम सवाल पूछने का साहस रखते हैं

नयनतारा सहगल का जन्म 5 फरवरी 1927 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के प्रसिद्ध नेहरू-गांधी परिवार में हुआ था। वे विजयलक्ष्मी पंडित की बेटी और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की भांजी हैं। एक लेखिका और निर्भीक विचारक के रूप में उन्होंने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का पक्ष लिया है। उनकी लेखनी सत्ता की निरंकुशता के खिलाफ एक मज़बूत आवाज़ रही है।

लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक संस्कृति है जिसे हर दिन सहेजना पड़ता है। आज़ादी का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं, बल्कि अपनी सोच और विचारों को प्रकट करने की निर्भीकता है। एक लेखक का पहला कर्तव्य सच बोलना है, चाहे वह कितना ही कड़वा क्यों न हो। सत्ता अक्सर अपनी आलोचना से डरती है, लेकिन आलोचना ही वह दर्पण है जो सुधार का रास्ता दिखाती है। अगर आप गलत को होते देख चुप हैं, तो आप भी उस गलत का हिस्सा हैं। आज़ादी तभी सुरक्षित है जब हम सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखते हैं। इतिहास केवल राजाओं और युद्धों की कहानी नहीं है, यह उन आम लोगों के संघर्षों का दस्तावेज़ है जिन्होंने बेहतर दुनिया के लिए बलिदान दिए। साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि सोए हुए समाज को जगाना है। विविधता भारत की आत्मा है; इसे नष्ट करना भारत को नष्ट करना है। एक स्वस्थ समाज वही है जहाँ असहमति के स्वर को सम्मान दिया जाए। महिलाएं केवल समाज का आधा हिस्सा नहीं हैं, वे

समाज की वैचारिक बुनियाद हैं। डर ही वह सबसे बड़ी जंजीर है जो मनुष्य की प्रगति को रोकती है। परंपराएं यदि प्रगति में बाधा बनें, तो उन्हें छोड़ने में ही भलाई है। असली देशभक्ति देश की बुराइयों को छिपाना नहीं, बल्कि उन्हें दूर करने का प्रयास करना है। बदलाव समय लेता है, लेकिन निरंतरता और साहस से हर दीवार गिराई जा सकती है। जब तक समाज में न्याय नहीं है, तब तक शांति केवल एक भ्रम है। हम अपने अतीत को नहीं बदल सकते, लेकिन हम उससे सीखकर अपना भविष्य ज़रूर गढ़ सकते हैं। किताबें हमारे सबसे अच्छे मित्र हैं क्योंकि वे हमें उन दुनियाओं की सैर कराती हैं जहाँ हम कभी नहीं गए। निष्पक्षता एक कठिन साधना है, पर एक बेहतर नागरिक बनने के लिए यह अनिवार्य है। अपनी जड़ों को याद रखना ज़रूरी है, लेकिन अपनी शाखाओं को नए आसमानों की ओर फैलने से मत रोकिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

आनंद का रहस्य और जागरण का आईना

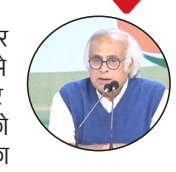

आज का समय उपलब्धियों, गति और बाहरी सफलता का समय है। इंसान के पास पहले से अधिक साधन हैं, अधिक जानकारी है और अधिक विकल्प भी हैं। फिर भी मन पहले से अधिक अशांत, बेचैन और असंतुष्ट दिखाई देता है। हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन भीतर की दिशा खोते जा रहे हैं। ऐसे समय में कहानियां केवल मनोरंजन नहीं रह जातीं, वे आईना बन जाती हैं। यह कहानी भी ऐसी ही है, जो हमें यह याद दिलाती है कि दुख और आनंद की जड़ बाहर नहीं, हमारे भीतर है। यह कथा सत्ता और भिखारी के माध्यम से उस सत्य की ओर संकेत करती है, जिसे आधुनिक मनुष्य बार बार भूल जाता है कि जागरूकता के बिना कोई भी उपलब्धि हमें संतोष नहीं दे सकती।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

एक राज्य में एक प्रतापी राजा रहता था। उसके पास धन था, शक्ति थी और समाज में सम्मान भी था। महल वैभव से भरा हुआ था, इच्छाएं पूरी करने में कोई बाधा नहीं थी। फिर भी राजा के मन में एक अजीब सी बेचैनी हर समय बनी रहती थी। वह हर दिन कुछ नया पाने की कोशिश करता, नई उपलब्धियां जोड़ता, पर संतोष कभी उसके पास नहीं आता। जैसे भीतर कोई खाली स्थान था, जिसे कोई भी वस्तु भर नहीं पा रही थी।

एक दिन राजा ने सुना कि नगर के बाहर एक भिखारी रहता है, जो हमेशा हंसता रहता है। उसके चेहरे पर स्थायी मुस्कान और आंखों में गहरी शांति है। राजा को यह सुनकर आश्चर्य हुआ। उसने सोचा, मेरे पास सब कुछ है, फिर भी मैं दुखी हूं, और जिसके पास कुछ नहीं, वह इतना आनंदित कैसे है। इसी जिज्ञासा ने राजा को साधारण वेश में भिखारी के पास पहुंचा दिया। राजा ने पूछा, तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है, फिर भी तुम हंसते रहते हो। तुम्हारे आनंद का रहस्य क्या है।

भिखारी हंसा और बोला, मेरे पास सब कुछ है, इसलिए मैं हंसता हूं। राजा और अधिक चकित हुआ। उसने कहा, सब कुछ? तुम्हारे पास तो झोपड़ी भी नहीं है। भिखारी ने शांत स्वर में कहा, आज रात मेरे साथ बैठिए, उत्तर मिल जाएगा। रात हुई। दोनों मौन में बैठे रहे। कुछ समय बाद भिखारी ने राजा को एक छोटा सा आईना दिया और कहा, इसे देखो, लेकिन केवल देखना, कुछ कहना मत। राजा ने आईने में देखा। पहली बार उसने अपने चेहरे पर थकान, डर और लालसा को साफ देखा। उसे लगा जैसे वह आईना नहीं, उसका अंतरमन सामने आ गया हो। वर्षों से संचित इच्छाएं, असुरक्षाएं और भय एक साथ उभर आए। कुछ देर बाद भिखारी ने कहा, अब आईना नीचे रख दो। राजा की आवाज में बेचैनी थी। उसने कहा, मुझे ऐसा क्यों लग रहा है जैसे मैं खुद को पहली बार देख रहा हूं। भिखारी मुस्कराया और बोला, क्योंकि तुम पहली बार जागरूक हुए हो। अब तक तुम पद, सत्ता और नाम देख रहे थे, स्वयं को नहीं। भिखारी ने आगे कहा, आनंद कुछ पाने से नहीं आता। आनंद तब आता है जब देखने वाला जाग जाता है। जब मनुष्य अपने भीतर देखने का साहस करता है। बाहर की दुनिया को जीत लेने से पहले यदि वह अपने मन को नहीं समझता, तो उसकी हर जीत अधूरी रहती है। सुबह राजा अपने महल लौटा, लेकिन वह अब पहले जैसा नहीं था। उसने सिंहासन छोड़ा नहीं, पर सिंहासन का नशा उतर गया था। अब उसके निर्णय अहंकार से नहीं, समझ से निकलते थे। वह शासन करता था, लेकिन डर से नहीं, विवेक से। उस दिन राजा ने यह जाना कि दुख बाहर नहीं है, वह हमारी अचेतनता में छिपा होता है। जो जाग गया, वही सच्चा राजा है, चाहे वह सिंहासन पर बैठे या भिक्षा पात्र लेकर घूमे। संतोष कोई वस्तु नहीं है जिसे पाया जा सके, वह एक आंतरिक स्थिति है। ध्यान वही आईना है, जो मनुष्य को जैसा है, वैसा दिखा देता है। सत्य को खोजने बाहर मत जाओ। बस जागो। वह वहीं मिलेगा, जहां तुम खड़े हो।

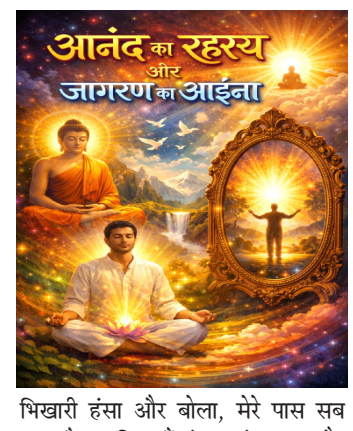

अपने विचार

ट्रंप लगातार भारत से जुड़े बड़े फैसलों की जानकारी अमेरिका से दे रहे हैं।ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बयान भी ट्रंप ने वॉशिंगटन से दिया था, भारत के रूस और वेनेजुएला से तेल खरीदने को लेकर भी जानकारी अमेरिका से आई थी, और अब भारत-अमेरिका ट्रेड डील की घोषणा भी ट्रंप ने ही की है।

-जयराम रमेश
नेता, कांग्रेस

आज भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों में एक अहम कदम आगे बढ़ा है, क्योंकि ट्रेड डील फाइनल हो गई है। अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे विकास और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे।

नितिन गडकरी
केंद्रीत मंत्री,भारत सरकार

अमेरिका ने टैरिफ लगाया था, और यह फैसला भी उन्हीं का था कि वे इसे घटाएंगे।जब उन्होंने टैरिफ घटाया, तो यह स्वाभाविक है कि उनको ही ये जानकारी दुनिया को देनी थी।अब जब समाधान निकला है तो ट्रंप का यह बताना लाजिमी था कि उन्होंने अपनी शर्तों में बदलाव किया है।

- पीयूष गोयल
केंद्रीय मंत्री

राहुल गांधी के पास ठोस मुद्दे नहीं हैं, इसलिए वे सुर्खियों में बने रहने और चर्चा बटोरने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। सेना और शहीदों का सम्मान पूरे देश के लिए सर्वोपरि है और इस तरह की बयानबाजी से देश की छवि को नुकसान पहुंचता है।

- देवेन्द्र फडणवीस
सीएम, महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

ठाणे में वेलनेस-फोकस्ड मिड-अफोर्डेबल हाउसिंग लाएगा पुराणिक्स

मुंबई। तेजी से बढ़ते शहरी घनत्व और बदलती जीवनशैली के बीच पुराणिक्स ने ठाणे में मिड-अफोर्डेबल होमबायर्स के लिए वेलनेस-फर्स्ट रेज़िडेंशियल मॉडल की रूपरेखा पेश की है। कंपनी का मानना है कि आज घर खरीदने के फैसलों में केवल लोकेशन और कीमत ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संतुलन और दैनिक वेलबीइंग भी अहम कारक बन चुके हैं। भारत के बड़े शहर इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं—घटते अपार्टमेंट आकार, लंबे कार्य घंटे और निवारक स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता। ऐसे परिदृश्य में वेंटिलेशन, प्राकृतिक रोशनी, इनडोर कम्फर्ट और सामुदायिक स्पेस जैसी सुविधाएं शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। उद्योग अनुमानों के अनुसार, मुंबई में औसत अपार्टमेंट आकार पिछले दशक में काफी घटा है, जिससे बेहतर डिज़ाइन और साझा सुविधाओं की आवश्यकता और बढ़ गई है। ठाणे को इस पहल के लिए एक स्वाभाविक केंद्र माना जा रहा है। 2024 में यहां 40,000 से अधिक रेज़िडेंशियल यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिससे यह एमएमआर के प्रमुख रियल एस्टेट बाजारों में शामिल हो गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मिड-इनकम खरीदार अब लिवेबिलिटी और लाइफस्टाइल वैल्यू पर भी उतना ही ध्यान दे रहे हैं। पुराणिक्स के निदेशक शैलेश पुराणिक्स ने कहा कि कंपनी वेलनेस को लक्ज़री नहीं, बल्कि टिकाऊ शहरी जीवन की आवश्यकता मानती है। ठाणे परियोजना को पायलट के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसे आगे अन्य शहरों में भी दोहराने की योजना है।

जश्ने उर्दू में जीएम मोमिन वीमेंस कॉलेज को द्वितीय पुरस्कार

भिवंडी। एक फरवरी 2026 को उर्दू चैनल, रूट्स ऑफ काइंडनेस फाउंडेशन और मुंबई विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर स्थित फिरोज शाह मेहता भवन के ऑडिटोरियम में आयोजित जश्ने उर्दू समारोह के दौरान अंतर-महाविद्यालयीन अंताक्षरी प्रतियोगिता हुई, जिसमें वाईसीएमओयू नासिक द्वारा संचालित जीएम मोमिन वीमेंस कॉलेज स्टडी सेंटर की छात्राओं अंसारी निदा शकील, अंसारी उम्मे मारिया आमीन और खान माविया जफर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय पुरस्कार हासिल किया; इस उपलब्धि पर केएमई सोसायटी के पदाधिकारी व सदस्य, प्राचार्य जियाउर रहमान अंसारी, स्टडी सेंटर इंचार्ज सफा आगा, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी सहित समस्त स्टाफ ने छात्राओं और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों सोफिया मोमिन व मुहम्मद रफी अंसारी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

पार्किंग और बेसमेंट निजी संपत्ति नहीं: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी भी हाउसिंग सोसाइटी में बेसमेंट और पार्किंग एरिया 'सामान्य सुविधाएं' हैं। अदालत ने जोर देकर कहा कि इन जगहों को अलग इकाई के तौर पर बेचा नहीं जा सकता। न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने अपने फैसले में यह साफ कर दिया कि भले ही किसी बिल्डर ने रजिस्टर्ड सेल डीड के जरिए बेसमेंट या पार्किंग को किसी व्यक्ति को बेचा हो, लेकिन ऐसा व्यक्ति महाराष्ट्र कोऑपरेटिव सोसाइटी एक्ट के तहत सोसाइटी की सदस्यता पाने का हकदार नहीं होगा।

क्या है पूरा मामला ?

यह पूरा कानूनी विवाद नवी मुंबई के तालोजा स्थित 'तालबिया पैराडाइज कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी' से जुड़ा है। इस प्रोजेक्ट में बिल्डर ने साल 2016 में ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिलने और 2019 में सोसाइटी बनने के बाद पूरे बेसमेंट और पार्किंग एरिया को अपने ही एक करीबी को बेच दिया था। इस सेल डीड के आधार पर खरीदार अमानुल एकरामुल अंसारी ने सोसाइटी की मेंबरशिप के लिए दावा पेश किया, जिसे सोसाइटी ने स्वीकार करने से मना कर दिया।

सदस्यता के लिए कानूनी पात्रता का कड़ा मानक

अदालत ने याचिकाकर्ता अंसारी की दलील को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हाउसिंग सोसाइटी की सदस्यता केवल स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के अनुसार एक मान्यता प्राप्त 'फ्लैट' के मालिकाना हक से मिलती है। पीठ ने स्पष्ट किया कि निजी बिक्री समझौतों या अवैध कब्जों के माध्यम से प्राप्त किसी भी जगह को कानूनी रूप से 'फ्लैट' की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इस प्रकार, पार्किंग का मालिक होना किसी व्यक्ति को सोसाइटी का सदस्य नहीं बना सकता।

फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) और सामान्य सुविधाओं का महत्व

सुनवाई के दौरान पीठ ने आर्किटेक्ट के सर्टिफिकेट और स्वीकृत लेआउट का बारीकी से अध्ययन किया। इसमें यह पाया गया कि बेसमेंट और पार्किंग एरिया फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) की गणना से बाहर थे और उन्हें 'सामान्य सुविधाओं' के रूप में नामांकित किया गया था। कोर्ट ने कहा कि जो स्थान सभी सदस्यों के उपयोग के लिए निर्धारित हैं, उन्हें निजी एग्रीमेंट या सेल डीड के जरिए अलग यूनिट में बदलकर व्यक्तिगत लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

डेवलपर्स और बिल्डरों को सख्त चेतावनी

हाई कोर्ट का यह फैसला उन डेवलपर्स के लिए एक कड़ा संदेश है जो सोसाइटी बनने के बाद भी सामान्य सुविधाओं और खाली जगहों को बेचकर मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं। अदालत ने माना कि कॉमन एरिया की ऐसी अवैध बिक्री से अक्सर निवासियों के बीच विवाद बढ़ते हैं, जरूरी सेवाओं (जैसे लिफ्ट, फायर एग्जिट) में रुकावट आती है और इमारत के ढांचे के लिए भी जोखिम पैदा होता है। सोसायटी की ओर से वकील श्रीप्रसाद परब ने मजबूती से पक्ष रखा कि ये हिस्से बिक्री योग्य इकाई नहीं हैं। इससे पहले, सहकारिता मंत्री ने भी जॉइंट रजिस्ट्रार के उस फैसले को पलट दिया था जिसमें याचिकाकर्ता की सदस्यता को मान्य बताया गया था। हाई कोर्ट ने मंत्री के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि 'मान्य मेंबरशिप' की अवधारणा कानून से ऊपर नहीं हो सकती।

2 मार्च को होगा मनपा का लोकशाही दिवस

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका का अगला लोकशाही दिवस सोमवार, 2 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। इसमें वही अभ्यावेदन स्वीकार किए जाएंगे जो पहले जिला लोकशाही दिवस में प्रस्तुत किए गए हों और जिन पर एक माह के भीतर कोई कार्रवाई नहीं हुई हो। नागरिकों को आवेदन जमा करते समय जिला लोकशाही दिवस से प्राप्त टोकन नंबर का उल्लेख करना अनिवार्य रहेगा।

16 फरवरी तक आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि

लोकशाही दिवस में भाग लेने के लिए नागरिकों को 16 फरवरी तक अपने आवेदन पत्र की दो प्रतियां फॉर्म-1(B) के साथ मनपा मुख्यालय में जमा करनी होंगी। एक आवेदन में केवल एक ही शिकायत स्वीकार की जाएगी। भूमि से जुड़े मामले, कोर्ट या लोकायुक्त में लंबित प्रकरण, सूचना के अधिकार से संबंधित विषय, राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि के लेटरहेड पर दिए गए आवेदन तथा जिन मामलों में अंतिम जवाब दिया जा चुका है, वे तब तक स्वीकार नहीं किए जाएंगे जब तक शिकायत व्यक्तिगत न हो।

अप्रैल से 12,000 बिल्डिंग्स का होगा इंस्पेक्शन

दीपक पवार । मुंबई

म्हाडा के मुंबई बिल्डिंग रिपेयर एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड ने दक्षिण मुंबई की सबसे खतरनाक इमारतों की पहचान के लिए 12,252 सेस्ड बिल्डिंग्स का संरचनात्मक निरीक्षण कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए बोर्ड एक निजी कंपनी की नियुक्ति करेगा और अप्रैल से वास्तविक स्ट्रक्चरल इंस्पेक्शन शुरू करने की योजना बनाई गई है। दक्षिण मुंबई की अधिकांश सेस्ड इमारतें बेहद पुरानी और जर्जर स्थिति में हैं, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

चार खंडों में जारी हुए टेंडर

रिपेयर बोर्ड ने इस निरीक्षण कार्य के लिए शहर को चार खंडों में बांटते हुए शनिवार को टेंडर जारी किए हैं। चार निजी कंपनियों की नियुक्ति के बाद अप्रैल में निरीक्षण का काम शुरू होगा, जिसे एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। खंड-1 में ए और सी वार्ड, खंड-2 में डी और जी दक्षिण वार्ड, खंड-3 में बी और ई वार्ड, जबकि खंड-4 में एफ उत्तर, एफ दक्षिण और जी उत्तर वार्ड की इमारतें शामिल की गई हैं। पहले चरण में पिछले वर्ष एक हजार इमारतों का निरीक्षण किया गया था, जिनमें से 660 का काम पूरा हुआ और 95 इमारतें बेहद खतरनाक पाई गईं। रिपेयर बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण के बाद इमारतों को बेहद खतरनाक, खतरनाक और तत्काल मरम्मत योग्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। जिन इमारतों को मरम्मत की आवश्यकता होगी, वहां तुरंत सुधार कार्य शुरू किया जाएगा, जबकि बेहद खतरनाक इमारतों के भविष्य को लेकर निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर लिया जाएगा।

सोलापुर डिवीजन की माल ढुलाई में 'ट्रिपल सेंचुरी'

IOCL पाकनी साइडिंग से 301 रेक लोडिंग, 44.2 करोड़ रुपए का माल ढुलाई राजस्व

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने जनवरी 2026 तक IOCL पाकनी साइडिंग से पेट्रोलियम उत्पादों की लोडिंग में 'ट्रिपल सेंचुरी' पूरी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संचालन के पहले ही वर्ष में यहाँ से कुल 301 रेक सफलतापूर्वक लोड किए गए, जो रेलवे की परिचालन दक्षता को दर्शाता है। इस उपलब्धि के साथ ही सोलापुर डिवीजन ने 44.2 करोड़ का शानदार माल ढुलाई राजस्व अर्जित किया है, जिससे रेलवे के खजाने में बड़ी बढ़ोतरी हुई है।

एक साल के भीतर हासिल किया बड़ा मील का पत्थर

पाकनी साइडिंग पर पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक (POL) का लोडिंग ऑपरेशन 28 जनवरी 2025 को शुरू हुआ था। एक साल के भीतर ही इस केंद्र ने भारतीय रेलवे और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOCL) के लिए खुद को एक अनिवार्य कड़ी के रूप में स्थापित कर लिया है। यहाँ से हाई स्पीड डीजल (HSD) और मोटर स्पिरिट (MS) जैसे उत्पादों की लोडिंग की जाती है, जो रेल माध्यम से ईंधन परिवहन को सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण के अनुकूल बनाता है।

रणनीतिक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभरा 'पाकनी'

IOCL पाकनी साइडिंग अब एक रणनीतिक लॉजिस्टिक्स हब बन चुकी है। यह महाराष्ट्र की पहली ऐसी IOCL सुविधा है जहाँ से रेक लोडिंग की जाती है। राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो यह भारत में IOCL का 9वां विशेष मार्केटिंग रेक-लोडिंग स्थान है। 1996 में अधिसूचित होने के बाद लंबे समय तक यह केवल आवक यातायात तक सीमित था, लेकिन 2025 में बाहरी लोडिंग शुरू होने के बाद से इसकी भूमिका पूरी तरह बदल गई है।

पाइपलाइन और रेलवे का बेजोड़ तालमेल

पाकनी साइडिंग की इस सफलता के पीछे कोयाली-अहमदनगर-सोलापुर पाइपलाइन (KASPL) का महत्वपूर्ण योगदान है। 752 किमी लंबी यह समर्पित पाइपलाइन वडोदरा की कोयाली रिफाइनरी से सीधे पाकनी डिपो तक ईंधन पहुँचाती है। पाइपलाइन के जरिए बिना किसी रुकावट के ईंधन की आपूर्ति और फिर रेलवे रेक द्वारा उसका वितरण, सुरक्षा और विश्वसनीयता का एक बेहतरीन मॉडल पेश करता है।

भुसावल मंडल में रेल सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

भुसावल मंडल पर 04 फरवरी 2026 को रेल सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के 107 रेलवे कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पित सेवाओं के लिए माननीय मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल द्वारा रेल सेवा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में हर्ष और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

डीआरएम ने किया कर्मचारियों का उत्साहवर्धन

समारोह को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने पुरस्कार प्राप्त सभी कर्मचारियों को बधाई दी और भविष्य में भी निष्ठा व समर्पण के साथ उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कर्मचारियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासनिक) सुनील कुमार सुमन का विशेष मार्गदर्शन रहा।

वरिष्ठ अधिकारी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) मुकेश कुमार मीना, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी दिलीप रं. खरात सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आकाश व्यास ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव सहायक कार्मिक अधिकारी व्ही. एस. वडनेरे ने प्रस्तुत किया। आयोजन को सफल बनाने में कार्मिक, कल्याण, जनसंपर्क, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, एस. एंड टी., विद्युत तथा आरपीएफ विभाग सहित विभिन्न शाखाओं का सराहनीय सहयोग रहा।

प्रॉपर्टी टैक्स न देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने प्रॉपर्टी टैक्स न भरने वाले करदाताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पिछले एक-दो महीनों से टैक्स कलेक्शन अपेक्षा से कम रहने पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि बकाया रखने वाले आवासीय प्रॉपर्टी मालिकों के पानी के कनेक्शन काटे जाएं, जबकि गैर-आवासीय प्रॉपर्टी को सीज और सील किया जाए।

गैर-आवासीय संपत्तियों पर विशेष अभियान

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि टैक्स न चुकाने वालों के खिलाफ तुरंत वारंट जारी करने, नल कनेक्शन काटने, पानी की आपूर्ति रोकने और अन्य सेवाएं बंद करने की कार्रवाई की जाए। गैर-आवासीय प्रॉपर्टी को लेकर 10 फरवरी तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत सभी सहायक आयुक्तों और उपायुक्तों को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

भुगतान के लिए सुविधाएं, समयसीमा से पहले टैक्स जमा करने की अपील

टैक्स कलेक्शन बढ़ाने के लिए बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। जिन प्रॉपर्टी मालिकों ने अब तक टैक्स नहीं भरा है, उनसे अपील की गई है कि वे अप्रिय कार्रवाई से बचने के लिए तुरंत भुगतान करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन भुगतान मनपा की वेबसाइट www.thanecity.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, टैक्स कलेक्शन सेंटर और मुख्यालय 31 मार्च 2026 (धूलि वंदना) को छोड़कर सभी शनिवार, रविवार और सार्वजनिक अवकाश पर सुबह 10.30 से शाम 4.30 बजे तक तथा रविवार को सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक खुले रहेंगे।

सायन प्रतीक्षा नगर की चार जर्जर इमारतों का रीडेवलपमेंट तय

दीपक पवार । मुंबई

सायन प्रतीक्षा नगर ट्रांजिट कैंप में रहने के लिए खतरनाक हो चुकी चार इमारतों के रीडेवलपमेंट का मामला सुलझ गया है। म्हाडा के वाइस चेयरमैन एवं सीईओ संजीव जायसवाल के निर्देश पर किराएदारों और निवासियों की उसी लेआउट में पुनर्वास की मांग को स्वीकार कर लिया गया है। इसके तहत मिडिल इनकम ग्रुप के लिए प्रस्तावित कुछ सेल्स यूनिट वाली इमारतों की योजना रद्द कर वहां ट्रांजिट फ्लैट्स की इमारतें बनाने का फैसला लिया गया है।

322 ट्रांजिट फ्लैट्स, 261 परिवारों और दुकानदारों का पुनर्वास

इस निर्णय के अनुसार, ट्रांजिट बिल्डिंग नंबर 36, 37, 53 और 54 में रहने वाले 261 किराएदारों/निवासियों और 4 दुकानदारों के लिए कुल 322 ट्रांजिट फ्लैट्स का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए ग्राउंड प्लस 22 मंजिल की दो नई इमारतें बनाई जाएंगी, जिनमें पात्रता नीति के अनुसार सभी का स्थानांतरण किया जाएगा। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया यह फैसला निवासियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

आईआईटी सर्वे के बाद लिया गया निर्णय, अस्थायी माइग्रेशन की अनुमति

इन चारों ट्रांजिट इमारतों के नीचे से गुजरने वाली भूमिगत पानी की पाइपलाइनों के कारण दरारें आने की शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद मुंबई बोर्ड ने आईआईटी मुंबई के माध्यम से इन इमारतों का सर्वे कराया। रिपोर्ट और निवासियों की मांग के आधार पर रीडेवलपमेंट का निर्णय लिया गया है। नई इमारतों का निर्माण पूरा होने में कम से कम दो साल का समय लगने की संभावना है। तब तक इन चारों इमारतों के किराएदारों और निवासियों को म्हाडा की नीति के अनुसार किराए पर माइग्रेट करने की मंजूरी दे दी गई है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष महत्वपूर्ण कार्यसिद्धि हो सकती है। मनोरंजक यात्रा होगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें। व्यावसायिक स्थिति में सुधार संभव है। कामकाज में मन लगेगा। निजी कार्यों में सावधानी, सतर्कता रखें। रुका पैसा प्राप्त होगा।

वृष धैर्य रखें। आय से अधिक व्यय से आर्थिक तंगी आने की आशंका है। साधारण मतभेद, चिड़चिड़ाहट रह सकती है। दूसरों के कहने में नहीं रहें। व्यापार मध्यम रहेगा। कुसंगति से बचें। यात्रादि में जोखिम न लें। लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मिथुन प्रसन्नता में वृद्धि होगी। लाभ होगा। दूसरों के व्यवहार से लाभ होगा। पूर्व नियोजित योजनाओं का क्रियान्वयन संभव है। रुके कार्यों की चर्चा होगी। संतान के कामों से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कर्क शुभ समाचार प्राप्त होंगे। बेचैनी रहेगी। मान बढ़ेगा। अतिथियों का आवागमन रहेगा। झंझटों में न पड़ें। सहयोग, मार्गदर्शन नहीं मिल पाएगा। अर्थ संबंधी विवाद हो सकते हैं। संतान की चिंता रहेगी। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना होगा।

सिंह उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में अपने कार्य को महत्व देंगे। महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे हो पाएँगे। नए कार्यों की योजना बनेगी। आशानुरूप लाभ होने के योग हैं। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भूमि व भवन आदि की खरीद-फरोख्त संभव है।

कन्या व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली होगी। धनार्जन होगा। चोट व रोग से बचें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा के अवसर आएँगे। आमदनी में सुधार होगा। व्यापारिक स्थायित्व बढ़ेगा। मांगलिक उत्सवों में भाग लेंगे।

तुला रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। निवेशादि लाभप्रद रहेंगे। परिवार के सदस्यों की तरक्की होगी। आमदनी से अधिक व्यय न करें। अपने कामों के प्रति सजगता रखना आवश्यक है। चोट व रोग से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक भागदौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता से तनाव बढ़ेगा। व्यावहारिक परेशानियाँ रहेंगी। छोटी-बड़ी तात्कालिक समस्याएँ विचलित रखेंगी। व्यापारिक असंतोष रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। दुःखद समाचार मिल सकता है।

धनु प्रभावशाली व्यक्ति सहायता करेंगे। धनार्जन होगा। मानसिक-वैचारिक श्रेष्ठता रहेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थितियाँ विशेष लाभप्रद बन पाएँगी। दांपत्य जीवन संतोषप्रद रहेगा। व्यर्थ लोभ-लालच नहीं रखें।

मकर सोच-विचार के अनुरूप स्थितियाँ रह पाएँगी। व्यावसायिक प्रयास सफल होने के आसार हैं। परिवार में धार्मिक, मांगलिक कार्य हो सकते हैं। जल्दबाजी न करें। विवाद से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

कुंभ महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मेलजोल बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। संतान पक्ष की चिंता रहेगी। समस्याओं का हल ढूँढ सकेंगे। कर्ज लेने की प्रवृत्ति का त्याग करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। तीर्थदर्शन हो सकता है। क्रोध-चिड़चिड़ाहट से कार्य नहीं करें।

मीन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जीवनसाथी को सम्मान मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जोखिम के कामों से दूर रहें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण, पदोन्नति के योग हैं। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी।

विघ्नहर्ता को प्रसन्न करने की सम्पूर्ण साधना

हिंदू सनातन परंपरा में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य माना गया है, क्योंकि वे ही ऐसे देवता हैं जो किसी भी कार्य के आरंभ में स्मरण मात्र से बाधाओं का नाश कर देते हैं और साधक के मार्ग को सरल बना देते हैं। गणपति केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, बुद्धि, विवेक और संतुलन का सजीव स्वरूप हैं। जब जीवन में बार-बार अड़चनें आने लगें, प्रयास के बाद भी सफलता हाथ न लगे, मन अशांत रहने लगे या निर्णय शक्ति कमजोर हो जाए, तब समझना चाहिए कि गणेश तत्व को जाग्रत करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से बुधवार का दिन, जो बुध ग्रह से संबंधित है और बुद्धि, वाणी व व्यापार का कारक माना जाता है, गणेश आराधना के लिए अत्यंत प्रभावशाली होता है। यदि व्यक्ति अपनी राशि, स्वभाव और ग्रह स्थिति के अनुसार गणेश जी की पूजा करता है, तो उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। प्राचीन ग्रंथों और लोक परंपराओं में बताया गया है कि गणेश जी को प्रसन्न करने के लिए बाह्य आडंबर से अधिक आंतरिक शुद्धता आवश्यक है। नित्य प्रातः और सायंकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करके गणपति का ध्यान करना, दीप प्रज्वलित करना और मन को शांत करके उनका स्मरण करना साधना का मूल आधार है। बुधवार के दिन मूंग के लड्डू, दूर्वा, गुड़ और दक्षिणा अर्पित करना अत्यंत शुभ माना गया है, क्योंकि मूंग बुध ग्रह से जुड़ा है और दूर्वा गणेश जी को सर्वाधिक प्रिय है। लाल चंदन की माला से गणेश मंत्रों का जाप करने से साधना में स्थिरता आती है और मन एकाग्र होता है। गणेश कवच, चालीसा, स्तोत्र और 108 नामों का नियमित पाठ न केवल आध्यात्मिक सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि मानसिक भय और असमंजस को भी दूर करता है। इस साधना काल में ब्रह्मचर्य का पालन, शुद्ध शाकाहार और संयमित जीवन शैली अपनाने से शरीर और मन दोनों शुद्ध होते हैं, जिससे मंत्रों का प्रभाव गहराता है। मंगलवार को गुड़ का भोग लगाना, नाखून या बाल न कटवाना, तथा अनावश्यक भोग-विलास से दूरी बनाना भी गणेश तत्व को जाग्रत करने में सहायक माना गया है। भूखे को मूंग की खिचड़ी खिलाना, देशी घी और सिंदूर से गणेश जी की मालिश करना और 21 जोड़ी दूर्वा अर्पित करना साधक के पुण्य को कई गुना बढ़ा देता है। ये सभी उपाय बाहरी दिखावे से अधिक भीतर की करुणा, अनुशासन और श्रद्धा को प्रकट करते हैं। गणेश चतुर्दशी का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि इसी दिन विघ्नहर्ता का प्राकट्य हुआ था। संध्या काल में शांत वातावरण में, दीपक की मध्यम लौ के सामने बैठकर, यदि व्यक्ति अपनी राशि के अनुसार लड्डुओं का भोग अर्पित करे और निर्धारित मंत्र का जाप करे, तो उसके रुके हुए कार्यों में गति आने लगती है। मेष राशि के जातक यदि नौ लड्डू शहद में लपेटकर अर्पित करें और "ॐ गणेशाय नमः" का जप करें, तो साहस और निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है। वृष राशि के लिए छह लड्डू और "ॐ विघ्ननाशाय नमः" का जाप स्थिरता और धन संबंधी अड़चनों को दूर करता है। मिथुन राशि के लोग पाँच लड्डू पान के पत्ते पर रखकर "ॐ लंबोदराय नमः" का जप करें, तो मानसिक उलझनें शांत होने लगती हैं। कर्क राशि वालों के लिए दूध में लगाए गए चार लड्डू और "ॐ पार्वतीनंदनाय नमः" का जाप भावनात्मक संतुलन देता है। सिंह राशि के जातक यदि दस लड्डू शहद में मिलाकर "ॐ एकदंताय नमः" का जप करें, तो आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होती है।

प्रियंका जैन
9769994439

न्यूज़ ब्रीफ

सेवानिवृत्त थानाध्यक्ष को आजीवन कारावास की सजा

आजमगढ़। पुलिस हिरासत में हुई मौत के एक मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन थानाध्यक्ष जेके सिंह को आजीवन कारावास और एक लाख पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। यह मामला 29 मार्च 2003 का है, जब रानी की सराय थाने की पुलिस ने बैटरी चोरी के आरोप में हरिलाल यादव को हिरासत में लिया था और पूछताछ के दौरान थानाध्यक्ष के उकसाने पर दारोगा नरेंद्र बहादुर सिंह ने उन्हें गोली मार दी थी, जिससे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मामला सीबीसीआईडी जांच में गया और फरवरी 2005 में चार्जशीट दाखिल की गई, जबकि सह-आरोपी दारोगा की बाद में मृत्यु हो गई थी। अदालत ने अभियोजन के सात गवाहों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर तत्कालीन थानाध्यक्ष को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 20.40 लाख रुपये की ठगी

प्रयागराज। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने विपिन शेष से 20.40 लाख रुपये ठग लिए। धोखाधड़ी करने वालों ने फर्जी नियुक्ति पत्र थमाया। पैसा वापस मांगने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। धूमनगंज पुलिस ने अब मामले में कोर्ट के आदेश पर कौशांबी के सराय अकिल फकीराबाद निवासी रामदीन, उसके बेटे अतुल, भानु प्रताप, अनुज कुमार व अब्दुल कादिर, प्राची राजवंश, सूरज रावत के खिलाफ मुकदमा कायम किया है।रम्मन का पुरवा, सुलेम सराय निवासी विपिन शेष का कहना है कि वर्ष 2015 में उसकी मुलाकात एक तिलकोत्सव में अतुल कुमार से हुई थी। उसने समाज के लोगों को सरकारी नौकरी दिलवाने और तरक्की करने की बात कही। दो साल बाद उसने अपने घर बुलाया। वहां पर अतुल, उसके पिता समेत अन्य लोगों ने गारंटी के साथ सरकारी नौकरी दिलाने की बात कही। कई बार में 20 लाख 40 हजार रुपये लिए।

प्रिंस पर मतांतरण के आरोपों की अभी तक नहीं हुई पुष्टि

बस्ती। एक चैनल पर चल रहे तीन सौ महिलाओं के मतांतरण के आरोप पर पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने स्पष्ट किया है कि दुष्कर्म और जानलेवा हमले के मामले में जेल में बंद आरोपित प्रिंस पर लगे मतांतरण (धर्म परिवर्तन) के आरोपों की जांच में पुष्टि नहीं हुई है। मतांतरण की खबरों को निराधार बताते हुए मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की। बताया कि सभी ऐंगल पर हमारी जांच चल रही है। अगर भविष्य में ऐसा मामला संज्ञान में आता तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। आरोपित अजफरूल उर्फ प्रिंस निवासी चिकवा टोला पुरानी बस्ती के खिलाफ दुष्कर्म, जानलेवा हमले की गंभीर धाराओं में मुंबई से गिरफ्तारी करके त्वरित विधिक कार्रवाई पहले ही हो चुकी है। वह बीते दस दिनों से जेल में है। पिछले दो दिनों से इस मामले को मतांतरण के कोण से जोड़कर देखा जा रहा था। इस पर सफाई देते हुए एसपी ने कहा कि विवेचना के दौरान अब तक ऐसे कोई साक्ष्य या तथ्य सामने नहीं आए हैं, जिससे यह सिद्ध हो सके कि आरोपित द्वारा मतांतरण का दबाव बनाया गया था या ऐसी कोई घटना हुई थी।

अब नीतीश कुमार भी करेंगे बुलेट प्रूफ रेंज रोवर की सवारी

बिहार सरकार खरीदेगी 4 गाड़ियां

एजेंसी । पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब बुलेटप्रूफ रेंज रोवर कार की सवारी करेंगे। बिहार सरकार सीएम के लिए लग्जरी और हाई सिक्योरिटी वाली नई गाड़ियां खरीदने जा रही है। इसके लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। अभी नीतीश इलेक्ट्रिक कार (ईवी) और अन्य भारतीय गाड़ियों का ही इस्तेमाल करते रहे हैं। पहली बार वे रेंज रोवर जैसी गाड़ी में दिखाई देंगे। राज्य सरकार ऐसी कुल 4 नई गाड़ियां खरीदने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के अनसुार, नीतीश सरकार बुलेटप्रूफ रेंज रोवर गाड़ियों की खरीद पर लगभग 11 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

पीएम के काफिले में भी यही गाड़ी

अब मुख्यमंत्री के काफिले में बुलेटप्रूफ रेंज रोवर भी शामिल होने वाला है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह गाड़ी महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रधानमंत्री के काफिले में भी यह गाड़ी रहती है और देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी इसका इस्तेमाल करते हैं।

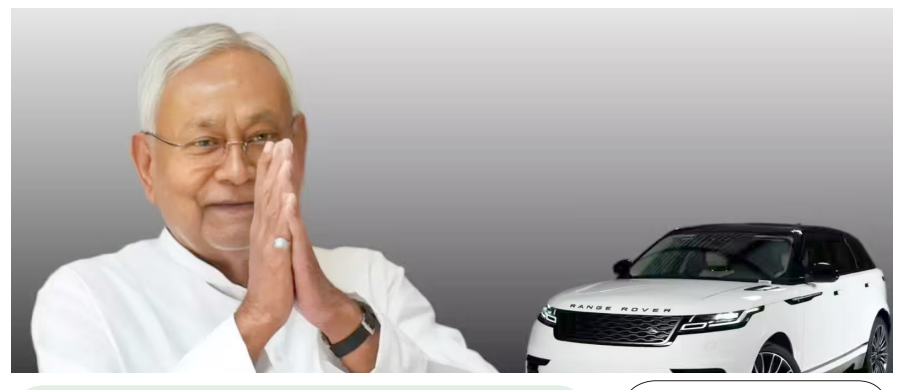

पहले एंबेसडर से चलते थे नीतीश, फिर पसंद आई ईवी

बताया जाता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुरुआत के दिनों में एंबेसडर कार से सफर करते थे। तब एंबेसडर नेताओं और अफसरों की शान हुआ करती थी। हालांकि, समय के साथ यह गाड़ी चलन से बाहर हो गई। फिर भी नीतीश के काफिले में लंबे समय तक एंबेसडर रही। बाद में एंबेसडर के रखरखाव संबंधित दिक्कतों के चलते लंबी सफर के लिए उन्होंने एसयूवी कारों का इस्तेमाल शुरू किया। दो साल पहले पटना में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) का एक्सपो लगा था। सीएम नीतीश जब वहां गए तो उन्हें ह्युंडई की इलेक्ट्रिक कार पसंद आ गई। इसके बाद उन्होंने अपने काफिले में 5 नई ईवी खरीदने का फैसला लिया। वर्तमान में नीतीश अक्सर इस गाड़ी से चलते हुए नजर आते हैं। हालांकि, यह बुलेटप्रूफ कार नहीं है, इसलिए सुरक्षा संबंधित समस्या आती है।

नीतीश के काफिले में अभी ईवी कार और टाटा सफारी

सीएम नीतीश के काफिले में अभी ह्युंडई की इलेक्ट्रिक कारें और टाटा सफारी जैसी भारतीय गाड़ियां शामिल हैं। सीएम पटना में ईवी कार से ही अक्सर सफर करते हुए नजर आते हैं। हालांकि, पटना से बाहर वे टाटा सफारी की सवारी करते हैं। यह एक बुलेटप्रूफ गाड़ी है।

औसानेश्वर मंदिर के गर्भगृह में 8 किलो चांदी और नकदी चोरी

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में कोतवाली क्षेत्र स्थित लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र औसानेश्वर मंदिर में मंगलवार देर रात बड़ी चोरी की वारदात हुई। बदमाशों ने मंदिर का गेट, ताला और चैनल तोड़कर गर्भगृह से करीब 20 लाख रुपये से अधिक की चांदी और दान पात्र में रखी नकदी चोरी कर ली। सूचना मिलते ही एएसपी, सीओ समीर सिंह और एसडीएम राजेश विश्वकर्मा समेत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी

मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की गई। मंदिर समिति अध्यक्ष संजय गिरी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

मंदिर के पुजारी शिवम गिरी जब भोर में पूजा के लिए पहुंचे तो गर्भगृह का चैनल टूटा मिला। जांच में सामने आया कि बदमाश भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर लगा चांदी का छत्र और अरघा में जड़ी चांदी उखाड़ ले गए थे। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, रात करीब ढाई बजे मंकी कैप लगाए एक बदमाश ने दक्षिणी द्वार का ताला तोड़कर प्रवेश किया और डेढ़ घंटे तक लोहे की रॉड से शिवलिंग के अरघा में जड़ी करीब आठ किलो चांदी निकालता रहा। वारदात के दौरान उसने मंदिर के मुख्य गेट अंदर से बंद रखे और करीब चार बजे उत्तरी द्वार से फरार हो गया।

फोरेंसिक जांच, पुरानी चोरी का भी जिक्र

घटना की जांच के लिए जिला मुख्यालय से पहुंची फोरेंसिक टीम ने शिवलिंग और अरघा से आधा दर्जन से अधिक उंगलियों के निशान लिए। डॉग स्क्वॉड की मदद भी ली गई है। मंदिर प्रबंधक विनोद गिरी और अध्यक्ष संजय गिरी ने बताया कि दो साल पहले भी मंदिर से स्वर्ण जैसा दिखने वाला तांबे का नाग चोरी हुआ था, जिसे बाद में जंगल में फेंक दिया गया था। उस समय मामले में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ था।

वेजफेड के पूर्व एमडी जयदेव प्रसाद सिंह ने किया करोड़ों का घोटाला

एजेंसी । रांची

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने झारखंड स्टेट आदिवासी को-ऑपरेटिव वेजिटेबल मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (वेजफेड), रांची के तत्कालीन प्रबंध निदेशक जयदेव प्रसाद सिंह के खिलाफ पद के दुरुपयोग से करोड़ों रुपये की सरकारी राशि के गबन की पुष्टि की है। एसीबी की प्रारंभिक जांच (पीई) में साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य सामने आया है कि उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हुईं।

लोकायुक्त से एफआईआर की अनुमति मांगी

एसीबी ने गबन की पुष्टि के बाद 29 जनवरी 2026 को लोकायुक्त से पत्राचार कर प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति मांगी है। इसके साथ ही जांच रिपोर्ट की एक प्रति मंत्रिमंडल निगरानी एवं सचिवालय विभाग को भी भेजी गई है। उल्लेखनीय है कि दर्ज शिकायत के आधार पर लोकायुक्त की अनुशंसा पर 19 फरवरी 2021 को तत्कालीन डीजी एसीबी के आदेश से इस मामले में प्रारंभिक जांच दर्ज की गई थी। वेजफेड रांची में हुई वित्तीय अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच और ऑडिट कराई गई। सभी रिपोर्टों की समीक्षा के बाद एसीबी इस निष्कर्ष पर पहुंची कि 1 अप्रैल 2017 से 5 जुलाई 2018 तक प्रबंध निदेशक पद पर रहते हुए जयदेव प्रसाद सिंह ने करोड़ों रुपये की सरकारी राशि का गबन किया।

अब एटीएम से मिलेंगे अनाज

बिहार ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव को किया स्वीकार

एजेंसी । पटना

बिहार की राशन व्यवस्था अब तकनीक के जरिए बदलने जा रही है। राज्य में जल्द ही ग्रेन एटीएम से गेहूं और चावल मिलने लगेंगे। इसकी शुरुआत पटना से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर होगी। इसके लागू होने के बाद बिहार देश का चौथा राज्य बन जाएगा, जहां ATM मशीन से राशन मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि इससे राशन वितरण में पारदर्शिता बढ़ेगी और गड़बड़ियों पर रोक लगेगी।

चोरी रोकने का उपाय

लेसी सिंह ने बताया कि सरकार राशन कार्ड धारकों के लिए बहुत ही नई-नई योजना ला रही है। पोस मशीन जहां पर अंगूठा लगाकर उपभोक्ताओं को अनाज मिलता है उसमें विभाग यह पहल कर रही है कि पोस मशीन के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन लगाया जाएगा। जिसके माध्यम से अनाज को तौला जाएगा।

केंद्र सरकार की योजना

बिहार की खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने ईटीवी भारत से खास बातचीत में बताया कि भारत सरकार की तरफ से एक पत्र आया था, जिसमें इस योजना को लेकर सहमति मांगी गई थी। बिहार सरकार ने भी अपनी सहमति केंद्र सरकार को भेजी है। यह एक अच्छी पहल है। जैसे ही केंद्र सरकार के तरफ से पायलट प्रोजेक्ट की सहमति मिल जाती है बिहार में ग्रेन एटीएम योजना की शुरुआत हो जाएगी।

व्यापार जगत

भारत अगले दो-तीन दशकों में 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा : मुकेश अंबानी

एजेंसी । मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने विश्वास जताया है कि भारत अगले दो से तीन दशकों में $30 ट्रिलियन की इकोनॉमी बनने की राह पर है। मुंबई में आयोजित 'जियो-ब्लैकरॉक' कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की मजबूत नीतियां, राजनीतिक स्थिरता और डिजिटल क्रांति इस विकास की मुख्य धुरी हैं। ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक ने भी इस विचार का समर्थन करते हुए इसे 'भारत का युग' बताया और कहा कि लंबी अवधि के वेल्थ क्रिएशन के लिए भारत वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा अवसर है।

बचत को निवेश में बदलने का आह्वान

अंबानी ने भारतीय युवाओं और परिवारों को एक नई दिशा देते हुए कहा कि अब पारंपरिक 'बचत' से आगे बढ़कर 'निवेश' की ओर मुड़ने का समय आ गया है। उनका मानना है कि जब घरेलू बचत का पैसा कैपिटल मार्केट्स में निवेश होगा, तो इससे न केवल व्यक्तिगत परिवारों की संपत्ति बढ़ेगी, बल्कि देश की जीडीपी को भी नई रफ्तार मिलेगी। लैरी फिंक ने भी जोर दिया कि भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश में लॉन्ग-टर्म इक्विटी निवेश ही वेल्थ जनरेशन का सबसे प्रभावी माध्यम है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई से सामाजिक बदलाव

विकास के खाके में टेक्नोलॉजी की भूमिका को रेखांकित करते हुए अंबानी ने 5G और डिजिटल इंडिया के विस्तार को निवेश का आधार बताया। उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जोर देते हुए कहा कि यह तकनीक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। एआई के माध्यम से 1.4 अरब भारतीयों तक उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएं और सस्ती शिक्षा पहुँचाना संभव होगा, जिससे समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का जीवन स्तर सुधरेगा।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बजार हरे निशान पर बंद हुआ। आईटी ब्लू-चिप शेयरों में भारी गिरावट के कारण बाजारों में तेजी सीमित रहने से बुधवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे गिरकर 90.43 पर बंद हुआ। पिछले कारोबार में उल्लेखनीय तेजी के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78.56 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 83,817.69 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसने 83,947.53 का उच्च स्तर और 83,119.95 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 827.58 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 48.45 अंक या 0.19 प्रतिशत बढ़कर 25,776 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स सूची में शामिल कंपनियों में से, इटरनल, ट्रेंट, एनटीपीसी, अदानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और मारुति सबसे बड़े लाभ कमाने वालों में शामिल थीं। इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा सबसे पिछड़ने वाली कंपनियां रहीं, जिनमें 7 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई आईटी इंडेक्स 5.49 प्रतिशत गिरकर 35,109.51 पर बंद हुआ। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 67.57 अमेरिका डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत बढ़कर 67.57 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शेयर बाजार में 5,236.28 करोड़ रुपये की खरीदारी की। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने 1,014.24 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

पटरी पर लौट रही अमेरिकी सरकार

ट्रंप के हस्ताक्षर से खत्म हुआ आंशिक शटडाउन

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार दोपहर एक व्यापक खर्च पैकेज पर हस्ताक्षर कर संघीय सरकार को दोबारा खोल दिया। ओवल ऑफिस में हस्ताक्षर के बाद ट्रंप ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं समेकित विनियोग अधिनियम पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। इससे संघीय सरकार तुरंत फिर से खुल गई है और वित्त वर्ष के बाकी हिस्से के लिए अधिकांश विभागों को फंडिंग मिल सकेगी।

फंडिंग बिल मुश्किल में पड़ने की संभावना

मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने खर्च विधेयकों के एक सेट को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य आंशिक शटडाउन खत्म करना और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) की जवाबदेही को लेकर द्विदलीय बातचीत के लिए समय खरीदना था। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, अगर समय रहते सहमति नहीं बनती, तो 14 फरवरी को DHS के साथ-साथ ट्रांसपोर्टेशन सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (TSA) और फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (FEMA) भी बंद हो सकते थे। आईसीई और अन्य आव्रजन से जुड़ी गतिविधियां पिछले साल पारित रिपब्लिकन कर और खर्च कानून के तहत होमलैंड सिक्योरिटी के लिए आवंटित 170 अरब डॉलर के सहारे चल रही थीं। इस बीच, हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज ने कहा कि ICE और होमलैंड सिक्योरिटी विभाग को बड़े बदलाव करने होंगे।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग को मिली अस्थायी राहत

राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही तीन दिनों से जारी आंशिक सरकारी शटडाउन समाप्त हो गया। हालांकि, इस कानून के तहत होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के लिए केवल अस्थायी राहत मिली है और दो हफ्तों बाद फिर से फंडिंग का संकट खड़ा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डीएसएस के लिए अगली समयसीमा दो सप्ताह बाद तय है।

दिसंबर में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 4 फीसदी गिरी

एजेंसी । नई दिल्ली

विमान परिचालन में गड़बड़ी और दैनिक उड़ानों की संख्या में भारी कटौती के कारण दिसंबर, 2025 में इंडिगो की भारतीय बाजार हिस्सेदारी में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे प्रतिद्वंद्वी एयर इंडिया को बढ़त मिली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) के आंकड़ों के अनुसार, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन की बाजार हिस्सेदारी नवंबर की 63.6 से गिरकर दिसंबर में 59.6 फीसदी हो गई। यह पिछले 2 सालों में कंपनी की सबसे कम मासिक बाजार हिस्सेदारी रही है।

दूसरी कंपनियों को हुआ फायदा

इंडिगो की उथल-पुथल का फायदा उठाते हुए टाटा समूह की एयर इंडिया ने पिछले साल दिसंबर के दौरान हिस्सेदारी को 3 प्रतिशत बढ़कर 26.7 से 29.6 फीसदी कर लिया। इसके अलावा अकासा एयर और स्पाइसजेट की हिस्सेदारी में भी मामूली बढ़ोतरी हुई है।

इस कारण हुई थी उड़ानें रद्द

इंटरग्लोब एविएशन के स्वामित्व वाली इंडिगो को दिसंबर के पहले सप्ताह में परिचालन संबंधी भारी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, जिसके चलते 4,500 से अधिक उड़ानें रद्द हो गईं और यात्री हवाई अड्डों पर फंस रहे। उड़ानें रद्द होने का मुख्य कारण पायलटों के आराम और रात के समय उड़ान भरने के सख्त नियम थे जिसके चलते एयरलाइन को निर्धारित घरेलू उड़ानों में लगभग 10 फीसदी की कटौती भी करनी पड़ी।

आंकड़ों में कच्चा हूं, इसलिए कमेंट्री नहीं करता : धोनी

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने स्पष्ट किया है कि वह संन्यास के बाद कमेंट्री की दुनिया में कदम नहीं रखेंगे। धोनी का मानना है कि वे आंकड़ों के मामले में काफी कच्चे हैं और उन्हें अपने खुद के रिकॉर्ड्स तक ठीक से याद नहीं रहते। इसके अलावा, धोनी ने कमेंट्री की एक बड़ी चुनौती की ओर इशारा करते हुए कहा कि खेल का विश्लेषण करने और खिलाड़ियों की आलोचना करने के बीच एक बहुत ही बारीक रेखा होती है। उनके अनुसार, कमेंट्री करते समय अनजाने में किसी खिलाड़ी के बारे में कुछ गलत कह देना बहुत आसान है, जो वे नहीं करना चाहते।

कमेंट्री की कला और शालीनता का महत्व

धोनी के अनुसार, कमेंट्री केवल खेल का हाल सुनाना नहीं, बल्कि अपनी बात को शालीनता से रखने की एक विशेष कला है। उन्होंने जतिन सप्रू के साथ बातचीत में कहा कि यदि टीम हार रही है, तो उन कारणों को इस तरह से पेश किया जाना चाहिए कि किसी को बुरा न लगे। इसके लिए विशेष कौशल और अनुभव की आवश्यकता होती है। धोनी ने उन लोगों की प्रशंसा की जो क्रिकेट इतिहास के हर युग के आंकड़ों की गहरी समझ रखते हैं, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया कि उनकी रुचि और विशेषज्ञता इस क्षेत्र में नहीं है।

अच्छे श्रोता है: धोनी

उन्होंने कहा, मैं एक अच्छा श्रोता हूं। मैं उन लोगों से बात करता हूं जिनके साथ मैं सहज महसूस करता हूं। लेकिन मैं बोलने से ज्यादा सुनने वाला व्यक्ति हूं। अगर मुझे किसी विषय के बारे में जानकारी नहीं है तो मैं ज्यादा नहीं बोलता क्योंकि सुनने से मुझे ज्यादा सीखने को मिलता है। मैं उस तरह से संवाद करने में अच्छा नहीं हूं। मुझे आमने-सामने बैठकर लोगों से बात करना पसंद है। मैं फोन पर बात करने में खुद को सहज नहीं पाता हूं क्योंकि मैं किसी का चेहरा नहीं देख सकता। इसलिए फोन पर बात करने के मामले में मैं बहुत असहज महसूस करता हूं। यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं सुधारना चाहता हूं, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने इसमें सुधार नहीं किया है।

> “खेल का आंखों देखा हाल सुनाने और उस प्रक्रिया में खिलाड़ियों की आलोचना करने के बीच बहुत मामूली अंतर होता है, यह एक कला है।
>
> -महेंद्र सिंह धोनी
> पूर्व भारतीय कप्तान

रोहित-कोहली को खेलना चाहिए

रोहित और कोहली के 2027 वनडे विश्व कप खेलने की संभावना को लेकर बात हुई तो धौनी ने पहले चुटकी लेते हुए कहा, माफ कीजिए, सवाल क्या है। लेकिन तुरंत ही गंभीर लहजा अपनाते हुए पूछा, क्यों नहीं। किसी को विश्व कप क्यों नहीं खेलना चाहिए। मेरे लिए उम्र कोई मापदंड नहीं है। मेरे लिए प्रदर्शन और फिटनेस ही मापदंड हैं। मेरा मानना है कि किसी को कुछ भी बताने की जरूरत नहीं है। लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि सबके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा। जब मैंने पदार्पण किया तब मैं 24 साल का था। किसी ने मुझे कुछ नहीं कहा और अब जब मैं 10 साल या 20 साल से भारत के लिए खेल रहा हूं, तो किसी को आकर मेरी उम्र के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। चाहे रोहित हों या विराट या अगले पांच साल में उभरने वाले अन्य खिलाड़ी। वे अगला विश्व कप खेल सकते हैं या नहीं, यह तय करना हमारा काम नहीं है। यह उनका काम है। अगर वे अच्छा खेलते रहते हैं। अगर उनमें देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा है, तो फिर वे क्यों नहीं खेल सकते।

सूर्य की टीम खतरनाक

सूर्यकुमार की अगुवाई वाली मौजूदा टीम की विश्व कप की संभावनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को साल के इस समय में ओस को लेकर सचेत रहना होगा। धौनी ने कहा, भारत की यह टीम सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। एक अच्छी टीम में जो कुछ भी होना चाहिए, वह सब कुछ इसमें मौजूद है। उनके पास विशेष रूप से इस प्रारूप में खेलने का व्यापक अनुभव है। खिलाड़ियों ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

ओलंपियन ईशा को दोहरी सफलता

2 स्वर्ण पदक ईशा ने चैंपियनशिप के पहले दिन जीते

4 पदक जीते भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित

एशियाई चैंपियनशिप

एजेंसी । नई दिल्ली

ओलंपियन ईशा सिंह ने बुधवार को एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) के पहले दोहरी सफलता हासिल की। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में चैंपियन बनने के बाद टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि टीम स्पर्धा में उन्होंने रजत जीता। 21 ईशा ने फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल किए। उन्होंने चीनी ताइपे की दो निशानेबाजों चेंग येन चिंग (235.4, रजत) और यू ऐ वेन (217.7, कांस्य) के अलावा हमवतन सुरुचि सिंह की चुनौती से पार पाकर अपना दूसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता।उन्होंने संयम बनाए रखते हुए 10.4 और उससे अधिक के तीन स्कोर बनाकर खिताब के लिए अपना दावा मजबूत किया। इस बीच चीनी ताइपे की दोनों निशानेबाज पिछड़ गई।

मनु रहीं सातवें स्थान पर

पहले 10 शॉट के चरण के बाद फाइनल में बढ़त बनाने वाली सुरुचि एलिमिनेशन राउंड में पिछड़ गईं और चौथे स्थान पर रहीं। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालिफाइंग राउंड में सुरुचि (576) दूसरे स्थान पर रहीं। मनु और ईशा दोनों का स्कोर 575 रहा।

भारतीय तिकड़ी का कमाल

सुरुचि (576), मनु (575) और ईशा (575) की तिकड़ी ने कुल 1726 अंकों के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। वियतनाम (1713) ने रजत और और चीनी ताइपे (1711) ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले सम्राट पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

न्यूज़ ब्रीफ

शुअर्ड मारिने का महिला हॉकी टीम में एकजुटता पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मारिने ने टीम में बेहतरीन तालमेल बनाने के साथ पूरी टीम में एकजुटता और फिटनेस स्टैंडर्ड बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया है। चार साल के ब्रेक के बाद दिसंबर 2025 में फिर महिला कोच बने नीदरलैंड्स के दिग्गज कोच ने बुधवार को साइ को बताया, हमारी पहली प्राथमिकता फिटनेस हमारे लिए बहुत जरूरी है। साथ ही हमारा फोकस एक साथ आने और मजबूत यूनिट के तौर पर काम करने पर है। महिला टीम की नजरें फिलहाल हैदराबाद में 8-14 मार्च तक होने वाले महिला विश्व कप क्वालिफायर, एशियाई खेल 2026 पर हैं। मारिने ने कहा, मैं पहले के कुछ खिलाड़ियों को जानता हूं, लेकिन अब सभी को नहीं जानता।

भारत-पाक मैच जरूर होना चाहिए : ब्रेट ली

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का कहना कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच होना चाहिए क्योंकि दुनिया भर में प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। क्रिकेट के दिग्गज ब्रेट ली ने 'क्रिकेट स्टोरीटेलिंग' के एक नए दौर की शुरुआत की। मिस्टर क्रिकेट यूएई के पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में उन्होंने सटीक बयान दिए और बेखौफ भविष्यवाणियां कीं। उनके साथ इस कार्यक्रम के जनक अनीस साजन भी थे। ली ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत बनाम पाक मैच होगा क्योंकि जब दोनों एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो पूरी दुनिया देखती है। यह बहुत रोमांचक होने वाला है। अगर आप दोनों टीमों को देखें तो कागज पर भारत ज्यादा मजबूत है।

सचिन ने खिलाड़ियों को दबाव संभालने के दिए टिप्स

मुंबई। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से पहले बुधवार को मुंबई टीम से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों को दबाव संभालने और जीत हासिल करने वाली मानसिकता बनाए रखने पर विचार साझा किए। 42 बार की विजेता मुंबई 6 से 10 फरवरी तक यहां एमसीए-बीकेसी मैदान पर आठ बार की चैंपियन कर्नाटक से भिड़ेगी। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा, यह सिर्फ एक प्रेरणादायक बातचीत नहीं थी बल्कि एक तरह से सवाल-जवाब का सत्र था। सभी खिलाड़ियों और संबंधित कोच ने उनसे कई तरह के सवाल पूछे।

चेल्सी को हराकर फाइनल में पहुंचे आर्सेनल

लंदन। आर्सेनल ने चेल्सी को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में काई हावर्ट्ज ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ स्टॉपेज टाइम में गोल किया जिससे आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हरा दिया। इस तरह उसने कुल 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आर्सेनल की टीम ने 2020 से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन इस सत्र में उसने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम प्रीमियर लीग में छह अंकों की बढ़त के साथ 2004 के बाद पहली बार इंग्लिश चैंपियन बनने की दौड़ में है और लगातार आठ जीत के बाद चैंपियंस लीग तालिका में भी शीर्ष पर है।

देविका ने सिंधु को दिया सफलता का श्रेय

एजेंसी । नई दिल्ली

हरियाणा की 20 वर्षीय शटलर देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 का खिताब जीतकर भारतीय बैडमिंटन जगत में अपनी धाक जमा दी है। इस जीत के साथ ही वह साइना नेहवाल और पीवी सिंधु जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल होने वाली तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। देविका ने अपनी इस सफलता का श्रेय विशेष रूप से पीवी सिंधु के साथ किए गए कड़े अभ्यास को दिया है। उनका कहना है कि सिंधु की खेल के प्रति अनुशासन और कड़ी मेहनत को करीब से देखने से उन्हें अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की जबरदस्त प्रेरणा मिली।

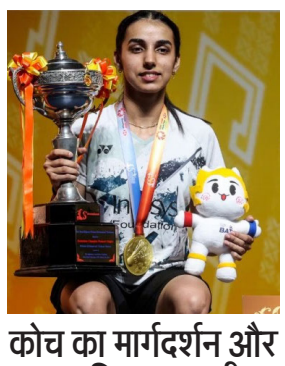

कोच का मार्गदर्शन और मानसिक मजबूती

अपनी तकनीकी सुधार के लिए देविका ने मशहूर कोच इरवानस्याह आदि के मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। देविका के अनुसार, इरवानस्याह न केवल शारीरिक कौशल पर ध्यान देते हैं, बल्कि खेल की मानसिक रणनीतियों पर भी विस्तार से चर्चा करते हैं।

एमसीसी सांताक्रुज चैंपियन

मुंबई। एमसीसी सांताक्रुज की टीम ने फाइनल में स्पॉईर्स क्रिकेट क्लब को पराजित करके ज्वाला स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एमसीसी लिटिल स्टॉर क्रिकेट बॉयज अंडर-14 वर्ग में चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। ओवल मैदान पर खेला गया फाइनल काफी रोमांचक रहा, यहां तक मैच के फैसले के लिए 'सुपर ओवर' तक का सहारा लेना पड़ा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्पॉईडर्स क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित 25 ओवरों में 160 रनों का स्पर्धात्मक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। स्पॉईडर्स क्रिकेट क्लब की टीम को इतने बड़े स्कोर तक पहुंचाने में रुद्र पबाले के बल्ले से निकले 48 रनों में मुख्य भूमिका निभाई। जिसके जवाब में निवान धाम ने मात्र 56 गेंदों पर 66 रन बनाकर एमसीसी सांताक्रुज को नौ विकेट पर 160 रन बनाया और मैच को बराबरी पर ला दिया। उसके बाद में सुपर ओवर में एमसीसी सांताक्रुज की टीम बाजी मारने में सफल रही।

हितेश और प्रीति के दमदार पंच से भारत की शानदार शुरुआत

एजेंसी । लानुसिया

टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भारतीय मुक्केबाजों ने रिंग में अपना दबदबा कायम किया। हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने पुरुषों के वर्ग में नीदरलैंड्स के फिन बोस को 5-0 के एकतरफा अंतर से धूल चटाई। वहीं, महिला वर्ग में प्रीति (54 किग्रा) ने कजाखस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ रिंग में फुर्ती दिखाते हुए 5-0 से शानदार जीत दर्ज की। इन दोनों मुक्केबाजों की जीत ने भारतीय दल के लिए टूर्नामेंट में एक सकारात्मक लय तय कर दी है। प्रीति के अलावा अन्य महिला खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदक की उम्मीदें जगाई हैं। प्राची (57 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन और कनाडा की प्रतिद्वंद्वियों को 5-0 के क्लीन स्वीप स्कोर से मात दी। वहीं, काजल (65 किग्रा) ने कजाखस्तान की असीम तनातार के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश करते हुए 4-1 से मुकाबला अपने नाम किया। इन जीतों के साथ भारतीय महिला टीम ने अगले दौर में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

पुरुष वर्ग में सचिन और अभिनाश का दबदबा

पुरुषों के इलीट वर्ग में सचिन (60 किग्रा) और अभिनाश जमवाल (65 किग्रा) ने अपनी-अपनी बाउट में 5-0 की स्पष्ट जीत हासिल की। अनुभवी मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन, दीपक, आकाश और अंकुश ने भी अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। हालांकि, टीम के लिए एकमात्र निराशा आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) के रूप में रही, जो इंग्लैंड के जो टर्नर से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

बॉलीवुड

'वाराणसी' साइन करने से पहले प्रियंका चोपड़ा ने रखी थी खास शर्त

एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' को लेकर नई दिलचस्प जानकारी सामने आई है। इस मेगा प्रोजेक्ट में प्रियंका चोपड़ा, महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर में रिलीज होने वाली है। प्रियंका इस फिल्म में 'मंदाकिनी' नाम का किरदार निभा रही हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट से जुड़ने से पहले उन्होंने निर्माताओं के सामने एक अनोखी शर्त रखी थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान प्रियंका ने खुलासा किया कि वह पिछले करीब छह सालों से भारतीय फिल्मों से दूर थीं। जब राजामौली ने उन्हें फिल्म ऑफर की और किरदार के बारे में बताया, तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी, लेकिन साथ ही एक खास अनुरोध भी किया। प्रियंका ने कहा कि वह फिल्म में एक डांस नंबर करना चाहती हैं, क्योंकि उन्होंने लंबे समय से स्क्रीन पर डांस नहीं किया था। उनकी इस इच्छा को मेकर्स ने मान लिया, लेकिन इसका असर फिल्म के एक और बड़े स्टार पर पड़ा। इंटरव्यू में मौजूद महेश बाबू ने भी इस डांस ट्रैक को लेकर बात की। उन्होंने गाने को सनसनीखेज बताया और कहा कि इसकी शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। महेश ने मजाकिया अंदाज में कहा कि यह गाना अब उनकी जुबान पर चढ़ गया है और प्रियंका अक्सर इसे गुनगुनाती रहती हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि यह खास डांस सीक्वेंस दरअसल प्रियंका की इच्छा की वजह से जोड़ा गया। फिल्म में महेश बाबू 'रुद्र' की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन खलनायक के किरदार में नजर आएंगे।

'दो दीवाने सहर में' ट्रेलर हुआ रिलीज

ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। पहले आए टीज़र ने जहां भावनात्मक माहौल बनाया था, वहीं ट्रेलर इस कहानी की दुनिया को और गहराई से दिखाता है। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर स्टारर यह फिल्म रोमांस को किसी सपनीली परीकथा की तरह नहीं, बल्कि असल जिंदगी के अनुभव की तरह पेश करती नजर आ रही है। फिल्म की कहानी शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच पनपते एक रिश्ते पर आधारित है। ट्रेलर में दो ऐसे किरदारों की मुलाकात दिखाई गई है जो एक-दूसरे को बदलने नहीं, बल्कि समझने की कोशिश करते हैं। उनकी नज़दीकियां शोर-शराबे से नहीं, बल्कि खामोश पलों, अधूरी बातों और छोटी-छोटी भावनात्मक झलकियों से बनती हैं। यह रिश्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और हर मोड़ पर अपने साथ एक नया एहसास छोड़ जाता है। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ट्रेलर की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरती है। दोनों ऐसे किरदार निभा रहे हैं जो खुद को समझने की प्रक्रिया में हैं, और इसी सफर में एक-दूसरे से जुड़ते हैं। फिल्म का निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है, जबकि संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भारत कुमार रंगा इसके निर्माता हैं। 'दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

अभिषेक पाठक की फिल्म में दिखेंगी आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म 'एल्फा' को लेकर चर्चा में हैं, जो इसी साल रिलीज होने वाली है। इसी बीच खबर है कि उन्होंने एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी है। बताया जा रहा है कि आलिया निर्देशक अभिषेक पाठक के साथ हाई-वोल्टेज ड्रामा फिल्म 'हाउसवाइफ' में नजर आएंगी। अभिषेक पाठक इससे पहले अजय देवगन अभिनीत सुपरहिट फिल्म 'दृश्यम 2' का निर्देशन कर चुके हैं। इस नई फिल्म में आलिया एक विवाहित महिला की भूमिका निभाती दिखाई देंगी।

मुख्य भूमिका के लिए राजकुमार राव से बातचीत

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की कहानी एक शादीशुदा जोड़े के इर्द-गिर्द घूमेगी और इसमें रिश्तों की जटिलताओं को भावनात्मक अंदाज़ में दिखाया जाएगा। मुख्य पुरुष किरदार के लिए अभिनेता राजकुमार राव से बातचीत जारी है। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट में रुचि दिखाई है, हालांकि अभी आधिकारिक अनुबंध नहीं हुआ है। अगर बात बनती है, तो यह पहली बार होगा जब आलिया भट्ट और राजकुमार राव बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि 'हाउसवाइफ' में आलिया केवल अभिनय ही नहीं करेंगी, बल्कि अपनी प्रोडक्शन कंपनी एटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस के जरिए सह-निर्माता की भूमिका भी निभाएंगी। इस फिल्म का निर्माण पैनोरमा स्टूडियोज के साथ मिलकर किया जाएगा। शूटिंग 2026 के मध्य, यानी अगस्त या सितंबर के आसपास शुरू होने की संभावना है। तब तक अभिषेक पाठक 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी कर चुके होंगे। वहीं, आलिया फिलहाल संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वार' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं।

संसद में गतिरोध बरकरार

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस सांसदों के जबरदस्त विरोध और हंगामे के चलते सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित करना पड़ा। इस शोर-शराबे के कारण राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुप्रतीक्षित जवाब नहीं हो सका। सुबह से तीन बार स्थगन झेलने के बाद, शाम पांच बजे सदन की स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई, जिससे विधायी कार्यों में पूरी तरह रुकावट आ गई। संसदीय इतिहास में यह संभवतः पहला मौका था जब विपक्षी सांसद विरोध जताते हुए न केवल 'वेल' (गर्भगृह) तक आए, बल्कि उसे पार कर प्रधानमंत्री और मंत्रियों की कुर्सियों तक जा पहुंचे। कांग्रेस ने इस विरोध प्रदर्शन में अपनी महिला सांसदों को आगे रखा, जो पोस्टरों और बैनरों के साथ सत्ता पक्ष की सीटों के बेहद करीब पहुंच गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने बिना देरी किए सदन की कार्यवाही को स्थगित करने का निर्णय लिया।

- लोकसभा में विपक्ष ने सत्तापक्ष की सीटों को घेरा, प्रधानमंत्री का जबाब टला
- बड़ा बैनर लेकर प्रधानमंत्री व मंत्रियों के आसन तक पहुंची कांग्रेस की महिला सांसद
- भाजपा के मंत्रियों व सांसदों की कांग्रेस की महिला सांसदों से नौंकझोंक
- लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में विपक्ष के रवैये से बिगड़ा माहौल

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक

सदन स्थगित होने के बाद भी सदन के भीतर माहौल शांत नहीं हुआ। कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि के नेतृत्व में महिला सदस्य सत्ता पक्ष की सीटों के पास खड़ी रहीं, जिससे केंद्रीय मंत्री किरण रिजीजू, अश्विनी वैष्णव और सांसद अनुराग ठाकुर के साथ उनकी तीखी बहस हुई। इस दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी वहां मौजूद थे। विवाद तब और बढ़ गया जब विपक्षी सदस्य भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणियों का विरोध करते हुए उनके करीब जाने की कोशिश करने लगे।

भाजपा नेतृत्व ने दिखाया संयम, टकराव से बचने की कोशिश

विपक्ष के आक्रामक रुख को देखते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अपने सांसदों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। मंत्रियों ने अपने सहयोगियों को पीछे हटने और किसी भी तरह के सीधे टकराव से बचने की सलाह दी। हाथापाई या अप्रिय स्थिति को टालने के लिए भाजपा नेताओं ने अपने सांसदों को सदन से बाहर जाने के लिए भी कहा। शाम पांच बजे जब पीठासीन अधिकारी ने पी.पी. चौधरी को बोलने का मौका दिया, तब भी शोर-शराबा इतना अधिक था कि कार्यवाही चलाना असंभव हो गया।

सुरक्षा कारणों से प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष रहे अनुपस्थित

सूत्रों के अनुसार, सरकार को पहले ही अंदेशा था कि कांग्रेस सांसद सदन में अप्रिय स्थिति पैदा कर सकते हैं। इसी संभावित खतरे और सुरक्षा प्रोटोकॉल को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन में नहीं आए। यह स्पष्ट संकेत दिया गया था कि प्रधानमंत्री केवल तभी सदन में आएंगे जब विरोध एक निश्चित सीमा के भीतर रहेगा। बैनरों के साथ मंत्रियों के आसन तक सांसदों का पहुंचना सुरक्षा की दृष्टि से एक बड़ी चूक माना जा रहा है।

गुरुवार को संबोधन की संभावना और सुरक्षा के कड़े इंतजाम

लोकसभा में हुए इस हंगामे के बाद अब प्रधानमंत्री का जवाब गुरुवार को होने की संभावना है। यदि लोकसभा में स्थिति सामान्य नहीं होती, तो प्रधानमंत्री पहले राज्यसभा में अपना वक्तव्य दे सकते हैं, जहां बहस पूरी होने के करीब है।

युमनाम खेमचंद बने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री

- मैतई सीएम के साथ नगा समुदाय से लोसी, कुकी से नेमचा डिप्टी सीएम

एजेंसी । इंफाल

भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को इम्फाल स्थित लोकभवन में खेमचंद को शपथ दिलाई। खेमचंद मैतेई समुदाय से आते हैं। उनके साथ ही नगा समुदाय से आने वाले लोथी दिखो ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। वहीं, कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम बनीं। भाजपा नेता नेमचा ने दिल्ली के मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ लीं।

356 दिन बाद राष्ट्रपति शासन हटा

राज्य में 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू था

बुधवार को ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन CM एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था। इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। 3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी। इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था। 4 फरवरी को NDA के घटक दलों के विधायकों की बैठक में सीएम और डिप्टी सीएम के नामों पर मुहर लगी। खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राज्य के गृह मंत्री के लिए कोंथौजम गोविंदास सिंह का नाम चर्चा में है।

युमनाम खेमचंद बीरेन सिंह के नजदीकी, लेकिन कट्टर मैतेई नहीं

युमनाम खेमचंद सिंग्जामेई क्षेत्र (इंफाल वेस्ट) से भाजपा विधायक हैं। 2017-2022 तक मणिपुर विधानसभा स्पीकर रहे। 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की दूसरी सरकार में मंत्री रहे। वे मैतेई समुदाय से आते हैं, जो मणिपुर के घाटी क्षेत्र में बहुसंख्यक हैं। बीरेन सिंह के साथ नजदीकी भी हैं। हाल के महीनों में वे शांति प्रयासों में सक्रिय रहे हैं। मई 2023 हिंसा के बाद दिसंबर 2025 में कुकी बहुल इलाकों और रिलीफ कैंप का दौरा करने वाले वे पहले मैतेई नेता हैं। बीरेन सिंह की तुलना में मध्यमार्गी माने जाते हैं। यही बात इन्हें कट्टर मैतेई लाइन से अलग करती है।

डिप्टी CM नेम्चा बीरेन सरकार में मंत्री रह चुकीं

नई सरकार में कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए नेम्चा किपोगेन को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। नेम्चा 2017 और 2022 में कुकी बहुल कांगपोकपी से भाजपा की विधायक हैं। बीरेन सिंह के पहले कार्यकाल (2017-2020) में उन्होंने सामाजिक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री का पद संभाला। बीरेन सिंह के दूसरे कार्यकाल में वे वाणिज्य एवं उद्योग, वस्त्र एवं सहकारिता विभाग की कैबिनेट मंत्री हैं। मैतेई-कुकी जाति हिंसा के दौरान इम्फाल में उनका सरकारी आवास जला दिया गया था।

आपात स्थिति में कोलकाता उतरा तुर्किये एयरलाइंस का विमान

कोलकाता। तुर्किये एयरलाइंस की एक उड़ान संख्या टीएचवाई-727 के इंजन में खराबी आने के बाद विमान ने कोलकाता हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पायलट ने उड़ान के दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना दी थी। यह उड़ान काठमांडू से तुर्किये के इस्तांबुल जा रही थी। बयान के अनुसार, पायलट ने विमान के दाहिने इंजन में आग लगने के कारण संकट की स्थिति के बारे में सूचित करने के लिए रेडियो संदेश जारी किया और दोपहर 1:38 बजे कोलकाता की ओर जाने देने का अनुरोध किया। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि विमान ने पूरी आपातकालीन स्थिति में यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग की और इंजन में लगी आग पर दोपहर 1.51 बजे तक काबू पा लिया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के घायल होने की सूचना नहीं है। विमान में क्रू मेंबर सहित कुल 236 यात्री सवार थे।

निवेश के नाम पर तीन करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले गिरफ्तार

- आईएफएसओ यूनिट की ओर से हुई कार्रवाई
- मुंबई, कोटा, नोएडा और लखनऊ में हुई छापेमारी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले एक संगठित गिरोह का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि गिरोह ने ऑनलाइन स्टॉक मार्केट में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर रियल एस्टेट डेवलपर कृष्ण कुमार से करीब 3.76 करोड़ रुपये ठग लिए। गिरोह की धरपकड़ के लिए मुंबई, कोटा, नोएडा और लखनऊ में छापेमारी की गई।

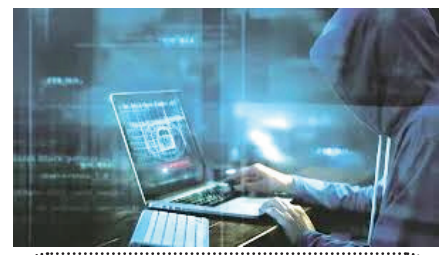

बैंक खातों की जांच से खुली साजिश

पुलिस के अनुसार, शिकायत दर्ज होने के बाद जांच शुरू की गई और घोटाले में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों का विवरण जुटाया गया। जांच में सामने आया कि मुंबई निवासी सिबलू कुमार के नाम पर दर्ज एक खाते में 10 लाख रुपये जमा कराए गए थे। तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई और उसे राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया गया। सिबलू कुमार से पूछताछ के दौरान ठगी के नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग मिले। सिबलू कुमार के खुलासों के आधार पर पुलिस ने मुरादाबाद निवासी वसीम अहमद को दिल्ली के जंगपुरा इलाके से उसके तीन साथियों—राजेश खान, शाहिद अली और मन्नू इस्सर—के साथ गिरफ्तार किया। इसके बाद मनीष कुमार को दिल्ली के द्वारका से पकड़ा गया।

न्यूज़ ब्रीफ

7-8 फरवरी को मलेशिया जाएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिनों सात और आठ फरवरी को मलेशिया जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मोदी मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर आधिकारिक दौरे पर मलेशिया जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती पर जोर रहेगा। भारतीय समुदाय को भी करेंगे संबोधित मलेशिया दौरे के दौरान पीएम मोदी भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। इस साल यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला विदेश दौरा है। हालांकि वे तीसरी बार मलेशिया जा रहे हैं। भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिए जाने के बाद यह उनका पहला मलेशिया दौरा होगा।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में दो नए विधेयक पेश किए

जम्मू। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को विधानसभा में जन विश्वास और भेदभाव उन्मूलन नामक दो विधेयक पेश किए। इन विधेयकों के जरिए सरकार के लिए जनता का भरोसा बनाना और कुष्ट रोग मरीजों के लिए समाज में मौजूद भेदभाव को खत्म करना मकसद है। साथ ही इसका मकसद लोगों के जीवन को आसान बनाना और कारोबार करने में सुगमता बढ़ाना भी है।

रेलवे में दो वर्ष में 1,43,086 पदों पर भर्तियां हुई : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। रेलवे में वर्ष 2024 और 2025 में 1,43,086 अराजपत्रित पदों पर भर्तियां हुई हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि वर्ष 2024 में रेलवे की ओर से 92,116 रिक्तियों के लिए 10 केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) जारी की गई थीं। इनमें सहायक लोको पायलट (एएलपी), टेक्नीशियन, उप निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में कांस्टेबल, कनिष्ठ अभियंता (जेई)/डिपो मटेरियल सुपरिंटेंडेंट (डीएमएस)/केमिकल एंड मेटालर्जिकल सहायक (सीएमए), अर्धचिकित्सकीय श्रेणी, गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी (स्नातक), गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी (स्नातक से पहले), मंत्रिस्तरीय और पृथक श्रेणी तथा लेवल-1 श्रेणी जैसे सहायक, ट्रैक का मरम्मत करने वाले और पॉइंट्समैन (रेल की लाइन को बदलनेवाला कर्मचारी) के पद शामिल हैं।

दूसरे चरण में होगी जातिगत जनगणना

- सवाल पहले होंगे अधिसूचित
- सरकार ने संसद में दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि जनगणना 2027 के दौरान जाति गणना दूसरे चरण में कराई जाएगी। यह चरण जनसंख्या गणना कहलाता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति से जुड़े जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किए जाएंगे। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि केंद्र सरकार की जनगणना 2027 कराने की मंशा अधिसूचित कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दूसरे चरण के लिए जाति से जुड़े सवालों सहित सभी प्रश्न निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अंतिम रूप देकर, चरण शुरू होने से पहले अधिसूचित किए जाएंगे।

जनगणना दो चरणों में होती है

- पहला चरण (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन-एचएलओ): इसमें प्रत्येक परिवार की आवास स्थिति, संपत्तियां, सुविधाएं आदि का विवरण लिया जाता है।
- दूसरा चरण (पॉपुलेशन एन्यूमरेशन-पीई): इसमें हर व्यक्ति के जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विवरण जुटाए जाते हैं।

डिजिटल उपकरण से होगी गणना

यह विशाल प्रक्रिया देशभर में करीब 30 लाख गणनाकर्ताओं व पर्यवेक्षकों और लगभग 1.3 लाख जनगणना अधिकारियों द्वारा किया जाएगा, जिन्हें डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि मोबाइल एप्स, सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम और स्व-गणना पोर्टल विकसित किए जा चुके हैं। डेटा संग्रह, प्रसारण और सर्वर-स्तर पर उचित सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मोबाइल एप्स में ऑफलाइन डेटा संग्रह की सुविधा होगी।

ममता ने सुप्रीम कोर्ट से की 'लोकतंत्र' बचाने की अपील

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में खुद दलीलें पेश कीं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर बहस करते हुए उन्होंने निर्वाचन आयोग पर 'लोकतंत्र को कुचलने' का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने अदालत से गुहार लगाई कि वे राजनीति से ऊपर उठकर राज्य की जनता के अधिकारों और न्याय के लिए यहाँ आई हैं। इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी मौजूदा मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत में खुद वकील की भूमिका निभाते हुए पक्ष रखा है। सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर पश्चिम बंगाल को गलत तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि SIR की यह प्रक्रिया मतदाताओं के नाम शामिल करने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें काटने के लिए की जा रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 24 साल बाद अचानक दो महीने के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा करने की क्या जल्दी थी, जबकि इसमें कम से कम दो साल का समय लगना चाहिए। उन्होंने आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' करार देते हुए आरोप लगाया कि अनौपचारिक निर्देशों के जरिए अधिकारियों को नाम हटाने के आदेश दिए जा रहे हैं।

एसआईआर मामला

- ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में खुद दलीलें पेश कीं
- निर्वाचन आयोग पर 'लोकतंत्र को कुचलने' का लगाया आरोप

आधार कार्ड और माइक्रो-ऑब्जर्वर पर तीखा विवाद

मुख्यमंत्री ने पीठ के समक्ष कहा कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड को पहचान के रूप में स्वीकार करने के अदालती निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों से 8300 'माइक्रो-ऑब्जर्वर' नियुक्त करने पर भी सवाल उठाए और कहा कि स्थानीय बीएलओ के अधिकारों को दरकिनार किया जा रहा है। उनके अनुसार, लगभग 58 लाख लोगों के नाम सूची से बाहर कर दिए गए हैं, जिनमें कई जीवित नागरिकों को मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने इसे बंगाल के लोगों को परेशान करने की एक सोची-समझी साजिश बताया।

निर्वाचन आयोग का पक्ष : राज्य सरकार के असहयोग का दावा

निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पर्याप्त संख्या में अधिकारी उपलब्ध नहीं कराए, जिसके कारण उन्हें माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। आयोग ने दलील दी कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत ये नियुक्तियां पूरी तरह वैध हैं और राज्य प्रशासन के असहयोग के कारण ही आयोग को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्य में चुनाव अधिकारियों के खिलाफ 'दुश्मनी के माहौल' का हवाला देते हुए उनकी सुरक्षा पर चिंता जताई।

शोध दुनिया भर के शहरों पर मंडराया 'हीट आइलैंड' का खतरा

भारत के शहरों में झेलनी पड़ सकती है गांवों से दोगुनी गर्मी

एजेंसी । नई दिल्ली

यूके की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ एंग्लिया के शोधकर्ताओं ने हाल ही में एक चौंकाने वाला अध्ययन जारी किया है, जिसमें भारत समेत दुनिया के ऊष्णकटिबंधीय शहरों के लिए खतरे की घंटी बजाई गई है। शोध के मुताबिक, शहरों में बेतहाशा बढ़ते कंक्रीट के निर्माण और गगनचुंबी इमारतों के कारण ये इलाके 'अर्बन हीट आइलैंड' में तब्दील हो रहे हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि कंक्रीट की संरचनाएं गर्मी को सोख रही हैं, जिससे शहरों का तापमान आसपास के खुले या ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में दोगुना तक बढ़ सकता है। यह रिपोर्ट 'नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित हुई है, जिसमें विशेष रूप से 3 लाख से 10 लाख की आबादी वाले 104 मध्यम आकार के शहरों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि दुनिया भर में इन मध्यम आबादी वाले शहरों की संख्या बड़े महानगरों के मुकाबले ढाई गुना अधिक है।

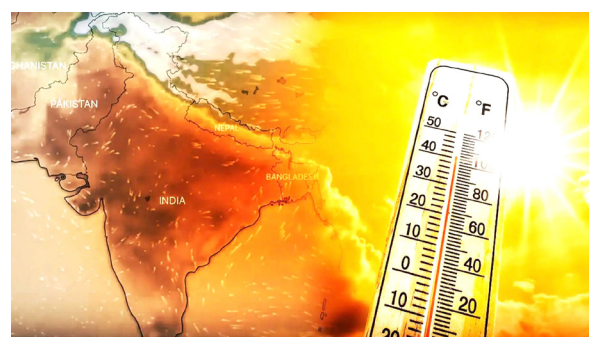

ग्लोबल वार्मिंग का शहरों पर होगा घातक असर

अध्ययन में यह चेतावनी भी दी गई है कि यदि भविष्य में ग्लोबल वार्मिंग के कारण वैश्विक तापमान में तक की वृद्धि होती है, तो इन शहरों में 'हीट स्ट्रेस' यानी गर्मी का तनाव ग्रामीण परिवेश की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी होगा। कंक्रीट और डामर की सड़कें रात के समय भी गर्मी को वातावरण में मुक्त नहीं होने देतीं, जिससे रातें भी असहनीय रूप से गर्म हो जाती हैं। यह स्थिति पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के बीच के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ रही है।

ऊष्णकटिबंधीय शहरों की बढ़ती सतह का तापमान

जलवायु अनुसंधान इकाई के सह-लेखक मनोज जोशी के अनुसार, ऊष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों (जैसे भारत) के शहरों में गर्मी का बढ़ना अब एक गंभीर वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। सैटेलाइट डेटा और जमीनी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि इन क्षेत्रों के लगभग 81 प्रतिशत शहरों में दिन के समय जमीन की सतह का तापमान (LST) बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य और बिजली संकट की नई चुनौती

शोधकर्ता डॉ. सारा बर्क ने बताया कि मध्यम आकार के शहरों में शहरी गर्मी की दर ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले अधिक पाई गई है। इस बढ़ते तापमान का सीधा असर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा, जिससे हीट स्ट्रोक और हृदय संबंधी बीमारियों के मामले बढ़ सकते हैं।

सोनम वांगचुक की हिरासत की समीक्षा करे केंद्र : शीर्ष कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर गंभीर चिंता जताई है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ ने बुधवार को कहा कि वांगचुक की स्वास्थ्य रिपोर्ट ठीक नहीं है। अदालत ने केंद्र सरकार से उनकी हिरासत पर पुनर्विचार की संभावना पर विचार करने को कहा। वांगचुक वर्तमान में राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ 26 सितंबर 2025 को हिरासत आदेश पारित किया गया था। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से निर्देश लेने को कहते हुए मौखिक टिप्पणी की कि दलीलों और कानूनी बिंदुओं से इतर एक न्यायिक अधिकारी के रूप में भी इस पहलू पर विचार किया जाए।

हिरासत को लेकर दोनों पक्षों की दलीलें

केंद्र सरकार की ओर से दलील दी गई कि वांगचुक पिछले साल लेह में हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें चार लोगों की मौत और 161 लोग घायल हुए थे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि तीन अक्तूबर 2025 को हिरासत आदेश को मंजूरी दी गई थी, जिसे चुनौती नहीं दी गई है।